डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 116 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 08 फरवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

## सूने मकान में चोरी, पांच लाख रुपए और जेवरात ले गए बदमाश

**पिपलिया मंडी, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** दिनदहाड़े एक सूने मकान में बड़ी चोरी की वारदात हो गई। नगर के मुख्य बाजार स्थित हेमंत ट्रेडर्स के संचालक अर्पित पितलिया के घर से बदमाश 05 लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात चुरा ले गए।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब ढाई बजे की है, जब अर्पित अपनी दुकान बंद कर नीमच में एक शादी समारोह में गए थे। चोरों ने पड़ोस के एक निर्माणाधीन मकान की छत का इस्तेमाल कर घर में प्रवेश किया। उन्होंने दरवाजा तोड़ा और घर की तलाशी ली। अलमारी में रखी नकदी और जेवरात चुरा लिए। एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने बताया जांच में सामने आया है कि चोरों को घर खाली होने की पूरी जानकारी थी, इसलिए उन्होंने दिन के समय ही वारदात को अंजाम दिया। रात करीब 12 बजे जब परिवार वापस लौटा तो घर का सामान बिखरा हुआ मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है।

# नहीं शुरू हुआ आत्म रक्षा का प्रशिक्षण..!

### सरकारी योजनाओं की राशि लेप्स होने की आशंका, माह के अंतिम सप्ताह में परीक्षा, प्रशिक्षण होना अब संभव नहीं

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सरकारी योजनाओं में आने वाली राशि का उपयोग स्कूल नहीं कर पा रहे है। इस कारण राशि लेप्स होने की आशंका बनी हुई है। इस संबंध में डीपीसी ने स्कूलों को निर्देश भी जारी किए है। इसके अलावा एक और मामला छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण को लेकर सामने आया है। इसको लेकर 38 दिन पहले 31 दिसंबर 2024 को राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों के कलेक्टर्स के नाम आदेश जारी किया था। जिला शिक्षा केंद्र ने 05 फरवरी को बीआरसी और स्कूलों को पत्र जारी कर प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। जबकि, महीने के आखिरी में कक्षा 5वीं, 8वीं सहित अन्य कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा शुरू होना है। ऐसे में सत्र खत्म होने से पहले प्रशिक्षण होना संभव नहीं है।**

जिले के माध्यमिक स्कूलों की छात्राओं को यह प्रशिक्षण दिया जाना था। प्रशिक्षण न्यूनतम तीन माह का होगा। इसमें 100 छात्राओं को प्रशिक्षण देना अनिवार्य है। इसके लिए प्रशिक्षक की नियुक्ति भी होना है। सप्ताह में चार दिन आत्मरक्षा प्रशिक्षण का पीरियड लगाना अनिवार्य है। प्रशिक्षक को 05 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। प्रत्येक स्कूल के लिए 15 हजार रुपए का बजट मिला है। लेकिन, प्रशिक्षण को लेकर अब प्रक्रिया कई स्कूलों में शुरू हुई है। ऐसे में शिक्षा सत्र खत्म होने से पहले सभी छात्राओं को प्रशिक्षण देना संभव नहीं है। वहीं प्रशिक्षकों को 31 मार्च से पहले मानदेय का भुगतान करना अनिवार्य है। लेकिन, जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते छात्राओं को प्रशिक्षण नहीं मिल रहा है। खास बात यह है कि इसकी मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी डीपीसी, सहायक परियोजना समन्वयक जेंडर, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, विकासखंड जेंडर समन्वयक की है। फिर भी अब तक प्रशिक्षण शुरू नहीं हुआ है।

### राशि का नहीं हो पा रहा इस्तेमाल...

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन कई योजनाओं को लेकर बजट जारी करता है। जिससे विद्यार्थियों को लाभ हो। लेकिन, स्कूल इस राशि का उपयोग ही नहीं कर रहे। परिणाम यह हो रहा है कि राशि लेप्स ही नहीं हो रही। बल्कि अगले साल इस योजना या मद की राशि ही नहीं मिलती। उदाहरण के लिए कौशल विकास योजना। जिसमें ढाई हजार रुपए स्कूलों को दिए गए। इस योजना में बर्तन बनाना, लकड़ी के सामान बनाना जैसे कई कामों के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी देकर सीखाना था। लेकिन स्कूलों में जिम्मेदारों को इस योजना की जानकारी ही नहीं है। आत्म रक्षा प्रशिक्षण के लिए भी 15 हजार रुपए का बजट मिला है।

### दुपट्टा, स्ट्रॉल से सुरक्षा करने के गुर सीखेंगी छात्राएं...

छात्राओं को रोजाना उपयोग में आने वाली वस्तुओं से खुद की सुरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे। इसमें चेन, दुपट्टा, स्ट्रॉल, मफलर, बैग, पैन-पेंसिल, नोटबुक से सुरक्षा करना सिखाया जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा के अन्य उपाय भी बताए जाएंगे। जारी आदेश में कहा गया है कि किसी भी प्रशिक्षक द्वारा अधिकतम दो या तीन स्कूल में प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। इससे अधिक स्कूल में प्रशिक्षण देने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। स्कूल प्रभारी को कोच की नियमित उपस्थिति दर्ज करना होगी। महिला प्रशिक्षक का चयन करना होगा। महिला प्रशिक्षक नहीं मिलने की उपस्थिति में पुरुष प्रशिक्षक का चयन कर सकेंगे। महिला शिक्षक की उपस्थिति में प्रशिक्षण कराना होगा।

### निर्देश जारी कर दिए है...

स्कूलों में प्रधानाचार्यो को कौशल विकास योजना के संबंध में जानकारी ही नहीं है। कई योजनाओं की राशि लेप्स होने की आशंका बनी रहती है। लेप्स होने के बाद अगले साल इस योजना के अंतर्गत राशि नहीं मिलती। ऐसे में कहीं न कहीं विद्यार्थियों को ही शासन की मंशा के अनुरुप लाभ नहीं मिल पाता। इस संबंध में स्कूलों और बीआरसी को निर्देशित किया है। आत्मरक्षा के प्रशिक्षण के संबंध में भी निर्देशित किया जा चुका है।

**–जगतदेव शुक्ला**
**डीपीसी, मंदसौर**

# बिल्लौद शिवना नदी: नहीं थम रहा रेत का अवैध उत्खनन

### माफियाओं के हौसले बुलंद, कब नींद से जागेंगे जिम्मेदार..!

**राजू सोनी**

**नाहरगढ़, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** दिन हो या रात, बिल्लौद शिवना नदी में रेत खनन का काम कभी नहीं रूकता! इस अवैध कारोबार को चलाने वाले माफियाओ के हौसले बुलंद हो रहे हैं। बेखौफ हो रहे खनन को देखते हुए लग रहा है कि सरकार के नुमाइंदे सबकुछ जानते हुए भी किसी की शह पर चल रहे अवैध खनन को रोकने की दिशा में कोई कदम नहीं उठा रहे है।

प्रतिदिन नदी से अवैध खनन का कार्य जारी है। अंधेरे में जेसीबी के माध्यम से रेत निकाल कर ढेर कर दिया जाता है। फिर अल सुबह से देर शाम तक बड़ी मात्रा में ट्रैक्टर-ट्राली का नदी पर जमावड़ा देखने को मिलता है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि खनिज विभाग के कारिंदे रेत माफियाओं के खिलाफ कोई कार्यवाही करने को तैयार नहीं हैं। रेत माफियाओं के इस काम से लग रहा है कि उन्हें अधिकारी और विभाग द्वारा भरपूर संरक्षण मिल रहा है? रेत माफियाओं को न तो किसी का भय और ना ही कार्रवाई का खौफ है। इसलिए दिन -रात नियमो को ताक पर रखकर धड़ल्ले से नदी का सीना छलनी करते हुए अवैध रेत खनन का कारोबार किया जा रहा है।

अब ग्रामीण भी सवाल उठाने लगे है। एसे लोगो का कहना है कि क्या अधिकारियों की शह पर यह अवैध रेत खनन हो रहा है। क्या इन रेत माफियाओं द्वारा किए जा रहे अवैध खनन की भनक किसी को नहीं है।

### सड़के हो रही खराब, रहवासी इलाकों में तेज गति से चलाते है रेत से भरे ट्रेक्टर -ट्राली...

इस रेत के अवैध खनन को बेचने के लिए अधिकतर ट्रैक्टर ट्रॉली का उपयोग किया जा रहा है। क्षमता से अधिक भार होने की वजह से सड़के भी खराब हो रही है। दुर्घटनाओं का अंदेशा होता है। कई ट्रेक्टर चालकों के पास ना तो लाइसेंस होता है और ना ही वाहन के कोई कागजात । इनमें से अधिकांश चालक तो अंधाधुन तेज गति से वाहन दौड़ाते हैं। जबकि, यह वाहन रहवासी क्षेत्रों से होकर ही गुजरते हैं।

## ठंडी हवाओं से गिरा तापमान

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। उत्तरी भारत में हो रही बर्फबारी का असर अंचल में भी देखने को मिल रहा है। पिछले तीन दिनों से रात का तापमान लगातार गिर रहा है, जिसमें अब तक 4 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक वीएस यादव के अनुसार, बुधवार से हवाओं की दिशा उत्तरी हो गई है।**

शुक्रवार को पश्चिम-उत्तर भारत में एक विशेष मौसमी घटना देखी गई, जहां 12.6 किलोमीटर की उंचाई पर जेट स्ट्रीम हवाएं 231 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार से चलीं। इस कारण प्रदेश में लोगों को कंपकंपी महसूस हुई। हालांकि, मौसम विभाग ने 08 फरवरी से मौसम में बदलाव की भविष्यवाणी की है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 08 फरवरी को एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) सक्रिय होने की संभावना है। इस मौसमी प्रणाली के प्रभाव से 10 फरवरी के बाद दिन और रात के तापमान में वृद्धि देखने को मिल सकती है। आज शनिवार से ही तापमान में बढ़ोतरी की शुरुआत होने की बात कही जा रही है।

# हरकियाखाल बालाजी मंदिर पर चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, चार अन्य नामजद

### आरोपियों से बरामद हुए नगदी व चांदी के छत्र-आभूषण, दो को गुजरात पुलिस ने पकड़ा, दो फरार की तलाश

**नीमच, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** जीरन थाना क्षेत्र के हरकियाखाल बालाजी मंदिर पर बीती 01-02 फरवरी की मध्य रात्रि में अज्ञात बदमाशो द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। बदमाश मंदिर में स्थित चांदी के छत्र, आभूषण और दानपेटी चुरा ले गए थे। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियो की तलाश शुरु की थी। कुछ छह आरोपियो में से दो को पुलिस ने पकड़ लिया है। जबकि, दो अन्य आरोपियो को गुजरात पुलिस ने पकड़ा है। दो फरार आरोपियो को पुलिस तलाश रही है।

एएसपी नवल सिंह सिसोदिया ने बताया कि बीती 01 व 02 फरवरी की मध्य रात्रि में स्टेशन के बाहर स्थित बालाजी मंदिर पर चोरी की वारदात हुई थी। मंदिर के पुजारी लक्ष्मी नारायण पिता रतनलाल शर्मा निवासी हरक्या खाल द्वारा पुलिस थाना जीरन पर रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें उन्होंने बताया कि 01 फरवरी की शाम वे पूजा पाठ कर करीब 9:30 बजे मंदिर के कपाट बंद कर ताला लगाकर सोने के लिए अपने घर चले गए थे। रात करीब 2:00 बजे के लगभग उनके लड़के दिनेश ने उन्हें फोन लगाकर बताया कि बालाजी मंदिर में चोरी हो गई है। फिर वह लोग मंदिर गए और देखा तो मंदिर का मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था तथा दोनों अंदर के लाकर के ताले भी टूटे हुए थे। अंदर जाकर देखा तो बालाजी महाराज का मुकुट, बालाजी महाराज के ऊपर लगे छत्र, बालाजी महाराज के खड़ाऊ, दान पात्र की थाल, चांदी का मुखौटा, माता रानी की तलवार, चांदी की गदा और दान पात्र में रखी नगदी चोरी हो गई है। उक्त घटना पर पुलिस थाना जीरन में अपराध धारा 33 (4), 305 ए बीएनएस 2023 में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

तत्काल विशेष टीमों का गठन कर प्रकरण में पतारसी हेतु आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर प्रतापगढ़ एवं सलूंबर राजस्थान के अंतरराज्यीय गैंग के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस टीम द्वारा गैंग के आरोपी खानू लाल मीणा एवं मोहन मीणा निवासी ग्राम माता सुला जिला सलूंबर राजस्थान को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। दोनों आरोपियों द्वारा अपनी गैंग के चार अन्य सदस्य रोहित मीणा, लक्ष्मण मीणा, महेंद्र मीणा एवं राजू मीणा के साथ मिलकर उक्त चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी खानूलाल मीणा एवं मोहन मीणा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल एवं मंदिर के दान पात्र में से चुराई गई 11 हजार रूपए तथा आरोपियों के निशान देही से ग्राम दास का गुड़ा निवासी महेंद्र मीणा एवं राजू मीणा के घर से मंदिर से चुराए गए चांदी के छत्र, खड़ाऊ, मुखौटा, गदा सहित चोरी गई अन्य सामग्री जप्त की गई। पुलिस ने उक्त घटना में आरोपी खानू लाल पिता भेरूलाल मीणा उम्र 19 वर्ष निवासी कुमारिया फला माता सुलह जिला सलूंबर और मोहन पिता अमर मीणा उम्र 24 वर्ष निवासी कुमारिया फला को गिरफ्तार किया है। वही इस घटना में महेंद्र पिता धर्म मीणा निवासी दास का गुड़ा थाना दरियाबाद जिला प्रतापगढ़ और बनिया उर्फ राजू पिता धर्म मीणा निवासी दास का गुड़ा थाना दरियाबाद जिला प्रतापगढ़ जो कि गुजरात में भी आरोपी हैं। उन्हें गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में रोहित पिता भवरलाल लबाना निवासी कुता थाना दरियाबाद जिला प्रतापगढ़, लक्ष्मण पिता भेरूलाल मीणा निवासी महू मंडेवाल थाना दरियाबाद जिला प्रतापगढ़ फरार है। जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

## गांधीसागर अभयारण्य में 17 से 19 फरवरी तक होगी गिद्ध गणना, प्रशिक्षण संपन्न

### मध्य प्रदेश में पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के बाद गांधीसागर अभ्यारण्य में सबसे अधिक गिद्धो का बसेरा

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** वनमण्डल मंदसौर के गांधीसागर अभयारण्य में आगामी 17, 18 और 19 फरवरी को आयोजित होने वाली वर्ष 2025 की प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना हेतु वनमंडल स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में वनमण्डलाधिकारी मंदसौर श्री संजय रायखेरे ने उपस्थित स्टाफ एवं वॉलंटियर्स को गिद्ध की पहचान एवं उनसे जुड़े रोचक तथ्यों को साझा किया।

श्री रायखेरे ने बताया कि गिद्धों के संरक्षण के लिए एक अनुकूल वातावरण निर्मित किया जाना अनिवार्य है। जिसमें गिद्धों के भोजन हेतु अबाधित क्षेत्र सुनिश्चित किया जाना चाहिए। हाल ही में शासन ने गिद्धों के लिए हानिकारक वेटरनरी ड्रग डाइक्लोफिनेक के बाद निमेसुलाइड कॉम्बिनेशन के सभी ड्रग उत्पादों के उत्पादन एवं बिक्री पर रोक लगाई है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के बाद गांधीसागर अभ्यारण्य में दूसरे सबसे अधिक संख्या में गिद्ध पाए जाते हैं। गत वर्ष हुई गिद्ध गणना में संपूर्ण मंदसौर वनमण्डल में 850 गिद्ध पाए गए थे। जिसमें अकेले गांधीसागर अभयारण्य में 800 से अधिक गिद्ध गणना में देखे गए। जिसमें लुप्तप्राय प्रजातियां जैसे इंडियन वल्चर, किंग वल्चर शामिल हैं। इनके अतिरिक्त प्रवासी गिद्ध प्रजातियां जैसे यूरेशियन ग्रिफोन, सिनेरियस गिद्ध भी बड़ी मात्रा में देखे गए।

# कंजर डेरों में पुलिस की दबिश

### चलते ट्रक से चुराए थे बकरे, पुलिस छुड़ाकर लाई, तीन कंजरों को दबोचा

**रतलाम, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** जावरा-रतलाम फोरलेन पर रविवार रात चलते ट्रक से बदमाश 30 से अधिक बकरे चुरा ले गए। पुलिस को शुरू से कंजर गिरोह पर आशंका थी। इसी आधार पर शुक्रवार सुबह जावरा क्षेत्र के आसपास कंजर डेरों में पुलिस ने दबिश दी। ट्रक से चोरी किए बकरे पुलिस ने बरामद किए। इस दौरान तीन बदमाशों को हिरासत में लिया।

बता दें कि वारदात के बाद से ही पुलिस कप्तान अमित कुमार व एएसपी राकेश खाखा टीम के साथ इस चोरी को ट्रेस करने में लगे थे। पुलिस घटना के बाद से लगातार कंजरो के डेरों में सर्चिंग कर रही थी। एएसपी राकेश खाखा के नेतृत्व में जावरा सीएसपी दुर्गेश आर्मो, औद्योगिक थाना प्रभारी मुनींद्र गौतम की टीम ने राजाखेड़ी कंजर डेरों में दबिश देकर 74 बकरे बरामद किए।जिसमें से 30 बकरे ट्रक कटिंग कर चुराए गए थे। सभी बकरों को ट्रक में भरकर पुलिस थाने में लेकर आई। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

# पशुपतिनाथ के भंडार से निकले 22 लाख से ज्यादा रूपए

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विश्व प्रसिद्ध श्री पशुपतिनाथ मंदिर में लगभग डेढ माह बाद गुरुवार को दान पेटियां खोली गईं। मंदिर प्रबंध समिति, प्रशासन और ट्रेजरी अधिकारियों की मौजूदगी में सुबह से शुरू हुई गणना देर शाम तक चली। दूसरे दिन शुक्रवार को भी गणना जारी रही। दो दिनों में विदेशी मुद्राओं के साथ 22 लाख रुपए से अधिक की राशि दानपात्रों से प्राप्त हुई है।**

बता दें कि पहले दिन की गणना में दान पेटियों से 16 लाख रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हुई। इसके अलावा भक्तों द्वारा चढ़ाए गए छोटे-मोटे चांदी के आभूषण और विदेशी मुद्राएं भी मिली। दूसरे दिन शुक्रवार को गणना में 6 लाख 74 हजार की राशि प्राप्त हुई। इस तरह से कुल मिलाकर 22 लाख 79 हजार 825 रुपए दान पेटियों से निकले। इसके अलावा चांदी के डेढ़ सौ ग्राम के आयटम दान पेटी से प्राप्त हुए। वहीं नेपाल के दो, मलेशिया का एक नोट भी दानपेटियों से मिले। मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार यह गणना मंदिर प्रशासन द्वारा नियमित रूप से की जाती है, जिससे मंदिर की आय का सही हिसाब रखा जा सके और इस धन का उपयोग मंदिर के विकास और रखरखाव में किया जा सके।

# पर्यावरण को खराब होने से सुधार पाना अब संभव नहीं, बस रोका जा सकता है...

**मंदसौर/उज्जैन, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** प्रकृति के पर्यावरण की जो बिगड़ी हुई हालत है, उसके लिए खुद प्रकृति का सबसे बुद्धिमान प्राणी मनुष्य ही जिम्मेदार है। और अब तो पर्यावरण के जानकारो का दावा है कि अब तक बिगड़ चुके वातावरण को सुधार लेना तो बहुत मुश्किल है। बस और अधिक बिगड़ने से रोकने के प्रयास किये जा सकते हैं। इसका प्रमाण कोरोना काल को माना जा सकता है। जब लगभग दुनिया भर में सभी प्रकार के वाहन चलना बंद थे। जिसके कारण उस समय न तापमान बढ़ा था ना ही धुएं से होने वाला वायु प्रदूषण फैला था। पाठकों को भी याद होगा कोरोना काल में हमारे देश की वर्षों र्से प्रदूषित नदियां भी साफ हो गई थी, वह भी बगैर राशि खर्च किए और मेहनत भी नहीं लगी थी।

नेशनल एनवायरमेंट एक्शन प्लान की शुरुआत 2008 से हुई थीष्ट तभी से पर्यावरण विशेषज्ञ लगातार ही अपने प्रयास करते आ रहे हैं। इसके विपरीत दुनिया भर के देशों की सरकारे और औद्योगिक घरानों की होड़ के चलते पर्यावरण बिगड़ने की गति अब असामान्य होकर मनुष्य के कंट्रोल से लगभग बाहर हो चुकी है। पर्यावरण विशेषज्ञ सुमन सहाय ने एक साक्षात्कार में कहा कि अब बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकना या सुधारना संभव नहीं है। क्योंकि, ग्लोबल वार्मिंग का असर अब सतह पर घटने लगा है। वर्ष 2023 में उत्तराखंड के चमोली नदी के बांध के टूटने का कारण बर्फ का बहुत बड़ा टुकड़ा टूट कर नदी में गिरा था। जिससे जलस्तर एकदम् बढ़ा, बहाव तेज होकर हाइड्रोलिक प्लांट के बांध को तोड़ता हुआ निकल गया था। इस घटना में जनधन दोनों की हानि हुई थी।

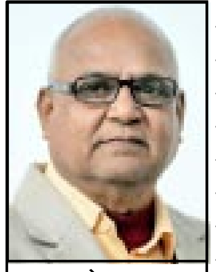

चन्द्रमोहन भगत

पर्यावरणविदो की माने तो अभी तक भारत के 48 ग्लेशियर झील बन चुके हैं। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण भारतीय मौसम में भी बदलाव साफ नजर आ रहा है। बीते दशकों में जून से सितंबर तक बारिश होती थी, अब जुलाई से अक्टूबर तक हो रही है। मानसून के भरोसे 35 से 40 प्रतिशत सिंचाई क्षेत्र की पूर्ति नहीं हो पाती है, दूसरी तरफ इंडस नदी भी पहाड़ों से आती है। इसके पानी के बंटवारे के लिए पाकिस्तान लगातार आवाज उठा रहा है पर हमारी सरकार सतह पर भी कुछ करती नजर नहीं आई है। इधर अंतरराष्ट्रीय स्तर केपर्यावरण शोध स्पष्ट कर चुके हैं कि बीते 100 सालों में वैश्विक तापमान 1 डिग्री बड़ा था। इसी अनुपात में सन 2100 तक डेढ़ डिग्री बढ़ना अनुमानित था। लेकिन, 2024 तक 1.6 डिग्री बढ़ चुका है।

पर्यावरण वैज्ञानिकों ने अब यह चेतावनी देकर मनुष्य की चिंता और बढ़ा दी है कि समुद्री सतह का तापमान भी तेजी से बढ रहा है, इसके नतीजे बहुत ही घातक होंगे । दुनिया भर में पहले से ही चीन का सबसे बड़ा बांध, जिससे पृथ्वी की घूमने की गति भी प्रभावित हो चुकी है। अब उससे भी बड़ा बांध ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाने जा रहा है। जिसे भारत के लिए तबाही की शुरुआत कहा जा रहा है। अगर चीन ने ब्रह्मपुत्र का पानी रोका तो स्वत: भारत का कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा। आधे भारत को मानसून पर ही निर्भर रहना पड़ेगा। क्योंकि, पृथ्वी के नीचे का पानी तो 90 प्रतिशत तक हम पहले ही उपयोग कर चुके हैं। कुल मिलाकर पर्यावरण विशेषज्ञ चिंता पाल रहे हैं, सतर्क भी कर रहे हैं। यह क्रम दूसरे विश्व युद्ध के बाद से चला आ रहा है। किन्तु प्रगति की स्पर्धा में दुनियाई मानव उसे नजर अंदाज कर अपने ही विध्वंस को निमंत्रण दे रहा है।

## विचार-मंथन

# सुरक्षा बलों को मिल रही कामयाबी

जम्मू-कश्मीर में अक्सर ऐसा लगता है कि आतंकवादियों के खिलाफ गहन अभियान से धीरे-धीरे उनकी गतिविधियां खत्म हो जाएंगी। मगर आए दिन मुठभेड़ों में आतंकवादियों के मारे जाने की घटनाएं जहां यह बताती हैं कि सुरक्षा बलों की ओर से सख्ती और चौकसी बढ़ी है, वहीं इससे यह भी पता चलता है कि आज भी आतंकी संगठनों की उपस्थिति बनी हुई है और वे अपना आतंक कायम रखने के लिए किसी की हत्या कर देते हैं। हालांकि कई बार उनके हमलों से यह भी साफ होता है कि वे स्थानीय समुदायों को या तो डरा कर रखना चाहते हैं या फिर अपना साथ न देने पर प्रकारांतर से उनसे बदला लेने की कोशिश करते हैं। इसी क्रम में सोमवार को कुलगाम के बेहीबाग इलाके में आतंकवादियों ने एक सेवानिवृत्त फौजी लांस नायक के परिवार पर हमला कर दिया। इसमें पूर्व फौजी की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी और बेटी घायल हो गईं। इसके बाद सुरक्षा बलों ने आतंकियों की तलाशी का अभियान शुरू किया। विडंबना है कि हर समय चौकसी के बीच भी कई बार आतंकी हमला कर देते हैं। जाहिर है, यह आतंकवादियों की ऐसी रणनीति है, जिसका सामना करने और उन पर काबू पाने के लिए भी सख्त उपाय करने होंगे। हाल के वर्षों में वहां आतंकी हमलों की प्रकृति में जिस तरह के बदलाव देखने को मिले हैं, उससे साफ है कि उनके बीच हताशा बढ़ रही है और इसी वजह से उनके हमलों में अब बेलगाम हिंसक प्रतिक्रिया ज्यादा दिख रही है। ताजा हमले के समांतर ही हर कुछ समय के बाद रोजी-रोटी की उम्मीद में वहां जाने वाले मजदूरों या बाहरी लोगों की लक्षित हत्या करने की घटनाएं यह बताती हैं कि महज खौफ पैदा करना आतंकी संगठनों की सीमा रह गई है। घात लगा कर सैन्य शिविरों पर हमले करने की घटनाओं के जरिए वे अपने को एक मजबूत पक्ष के रूप में दर्शाना चाहते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि उनकी गतिविधियां ऐसी भूख को दर्शाती है, जो आखिर में अपनों को भी उसकी आग में खाक करती है। पिछले कुछ समय में जम्मू-कश्मीर की सीमा में घुसपैठ के मोर्चों पर सुरक्षा बलों ने लगातार बंदिश लगाई है, आतंकियों को रोका है या फिर मुठभेड़ों में मार गिराया है। पाकिस्तानी शह पर और वहां स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के स्थानीय संजाल को भारतीय सेना ने सख्ती से निष्क्रिय कर दिया था। निश्चित रूप से यह सुरक्षा बलों को मिल रही कामयाबी है, जिसमें आतंकी संगठनों के सामने पहले की तरह खुला खेलने की स्थिति नहीं बची है। मगर हाल के कुछ आतंकी हमलों से ऐसा लगता है कि एक बार फिर से वे आतंकी संगठन अपना सिर उठा रहे हैं। हालांकि अब स्थानीय आबादी के बीच से आतंकियों को समर्थन मिलना कम हो रहा है। बड़ी तादाद में ऐसे लोग हैं, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपना जीवन शांतिपूर्ण तरीके से गुजारना चाहते हैं। हाल में जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों के नतीजे यह बताने के लिए काफी हैं कि वहां लोगों के बीच किस तरह के भविष्य की भूख है। ऐसे में आतंकी संगठनों के भीतर हताशा का भाव पैदा होना स्वाभाविक है। अफसोस की बात है कि इसकी कीमत साधारण लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है।

# अमेरिका-चीन में व्यापार युद्ध भारतीय निर्यातकों के लिए हो सकता है फायदेमंद

**कमलेश पांडे**

समझा जाता है कि अमेरिका-चीन जैसे दो बड़े देशों के इस अप्रत्याशित कदम से अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, आंकड़ा जन्य अनुभव बताता है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल (2016-2020) के दौरान जब अमेरिका ने चीनी चीजों पर टैरिफ लगाया था, तो उस दौरान भारत चौथा सबसे बड़ा फायदा पाने वाला देश था। इसलिए विशेषज्ञों का कहना है चीन से आयात पर अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने से भारत को अमेरिका में निर्यात के लिए बहुत अवसर मिलेंगे। क्योंकि टैरिफ लगाए जाने से चीन से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर असर पड़ेगा। बताया जाता है कि इससे अमेरिकी बाजार में उनके सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी। इससे अमेरिकी खरीदार उच्च लागत से बचने के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश करेंगे। इससे भारत को फायदा होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 फरवरी 2025 को एक इग्जेक्युटिव आदेश पर हस्ताक्षर किए। जिसमें मेक्सिको से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। वहीं, कनाडा से आने वाले सामानों पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। जबकि, कनाडा के ऊर्जा संसाधनों पर 10 प्रतिशत टैरिफ ही लगाने की घोषणा की गई। इस ऑर्डर में ही चीन से आयात पर भी 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात थी, जिससे चीन बौखला गया। अलबत्ता, अमेरिका के जवाब में चीन ने भी कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगा दिया है। उसके इस जवाबी कदम के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। उधर, अमेरिकी कदम के जवाब में मेक्सिको और कनाडा ने भी अमेरिकी टैरिफ के बदले में जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इससे व्यापार युद्ध कई देशों के बीच पहुंच गया है। निकट भविष्य में इसके चक्कर में और कई देशों के आने की संभावना है। स्वाभाविक है कि इन सभी कदमों का सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। बता दें कि इस बारे में अपनी सफाई देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि यह कदम अवैध इमिग्रेशन और ड्रग्स तस्करी से उपजी चिंताओं को लेकर उठाया गया है। क्योंकि रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने इन दो मुख्य मुद्दों को अपने चुनावी अभियान का आधार बनाया था। चूंकि चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद से ही उनकी ओर से जनता से किये हुए वादों को पूरा करने की दिशा में कदम उठाए जाने के संकेत दिए जा रहे थे। इसलिए यह कदम उठाया गया है। सवाल है कि चीन के अमेरिका पर टैरिफ लगाने का कितना प्रभाव उसपर पड़ेगा, तो जानकारों के मुताबिक जवाब यह होगा कि अमेरिका पर इसका सीमित प्रभाव हो सकता है। क्योंकि अमेरिका दुनिया में तरल प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा निर्यातक देश है, लेकिन उस निर्यात में चीन की हिस्सेदारी महज 2.3 फीसदी के आसपास है। वहीं, चीन का सबसे बड़ा कार आयात यूरोप और जापान से होता है। इसलिए विशेषज्ञ इसे चीन की सौदेबाजी की शक्ति हासिल करने के तौर-तरीके के रूप में इसे देख रहे हैं। वहीं, जहां तक इस ट्रेड वॉर के चीन पर असर होने का सवाल है तो जानकार बताते हैं कि चीन 120 से अधिक देशों के लिए प्रमुख व्यापार भागीदार है और अमेरिका उनमें से सिर्फ एक है। वहीं, पिछले दो दशकों में चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था में व्यापार के महत्व को लगातार कम किया है और घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी की है। यही वजह है कि आज आयात और निर्यात का चीन के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 37 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 2000 के दशक की शुरुआत में यह 60 फीसदी से अधिक था। इसलिए 10 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ उसे सिर्फ चुभेगा, जबकि पेइचिंग इस झटके को बर्दाश्त कर सकता है। कुछ यही वजह है कि चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने भी अमेरिका के खिलाफ कई उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही गत मंगलवार को उसने अमेरिकी सर्च इंजन गूगल की जांच की भी बात कही, ताकि उसके कारोबारी हितों को चोट पहुंचाया जा सके। बताया गया है कि चीन द्वारा अमेरिकी कोयला और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादों पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। साथ ही कच्चे तेल, कृषि मशीनरी, बड़ी कारों पर भी 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। वहीं, मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी उत्पादों पर नए टैरिफ 10 फरवरी से शुरू यानी प्रभावी होंगे। वहीं, चीन की ओर से यह भी कहा गया है कि अमेरिका का एकतरफा टैरिफ बढ़ाना वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का घोर उल्लंघन है। यह उनकी समस्याओं को हल करने में कोई मदद नहीं करेगा। हां, इतना जरूर है कि यह चीन और अमेरिका के बीच सामान्य आर्थिक और व्यापार सहयोग को नुकसान पहुंचाएगा। चूंकि वैश्विक थानेदारी के लिए दोनों में आपसी होड़ मची हुई है, इसलिए यह स्वाभाविक कदम भी है। निकट भविष्य में कुछ और कदम भी उठाए जा सकते हैं।उधर, चीन के स्टेट ऐडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन ने यह भी कहा है कि वह गूगल पर विश्वास विरोध (एंटीट्रस्ट) कानूनों के उल्लंघन के संदेह में जांच कर रहा है। हालांकि, इसमें किसी टैरिफ का विशेष रूप से जिक्र नहीं किया गया। हालांकि, यह घोषणा वह ट्रंप के 10 प्रतिशत टैरिफ लागू होने के कुछ ही मिनट बाद ही की गई। बताया जाता है कि ट्रंप ने मेक्सिको, कनाडा और चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर कड़े टैरिफ लगाने संबंधी एक आदेश पर गत शनिवार को हस्ताक्षर किए थे। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने टैरिफ को लेकर अमेरिकी प्रशासन पर निशाना साधा था। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यापारिक युद्ध से किसी का भला नहीं होता। बकौल कांग, हम इस अनुचित वृद्धि का कड़ा विरोध करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका को अपनी समस्याओं पर गौर करना चाहिए। ऐसा समाधान ढूंढना चाहिए जो उसके लिए और पूरे विश्व के लिए फायदेमंद हो। हालांकि, ट्रंप ने अगले कुछ दिन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत करने की योजना बनाई है। जबकि उनके द्वारा चीन पर लगाया गया 10 प्रतिशत टैरिफ गत मंगलवार से ही लागू हो गया।

# अवैध अप्रवासियों पर आक्रामक अमेरिका

**हर्ष वी पंत**

पिछले साल भी करीब 1,100 भारतीय को वापस भेजा गया था, लेकिन इस साल आंकड़ा काफी बढ़ा है। मगर भारत का रुख स्पष्ट है। अगर ये लोग गलत तरीके से अमेरिका गए हैं और उनको वापस भेजा जाता है, तो उन्हें खुले दिल से स्वीकार किया जाएगा। नई दिल्ली का यह रवैया इसलिए भी है, क्योंकि अवैध आप्रवासन भारत में भी एक गंभीर मसला है और हमारा मानना है कि इससे संगठित अपराध को मदद मिलती है। यही कारण है कि साल 2023 में जब अवैध आप्रवासन का मसला राज्यसभा में उठा, तब यह जरूर कहा गया कि कई देश अपने यहां मौजूद अवैध अप्रवासी भारतीयों की संख्या तब तक नहीं बताते, जब तक कि उनको निर्वासित नहीं किया जाता, लेकिन इसकी जानकारी भी दी गई कि देश में 30 अक्तूबर, 2023 तक 2,925 ऐसे एजेंटों की पहचान कर ली गई थी, जो गलत तरीके से भारतीयों को विदेश भेजते हैं। अवैध आप्रवासन का शायद ही कोई समर्थन करता है। भारत ने भी अमेरिका को आश्वस्त किया है कि वह इस मामले में उसका पूरा साथ देगा। बीते दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फोन पर बातचीत हुई थी, तब उसमें भी यह मसला उठा था। हालांकि, अमेरिका में मौजूद अवैध अप्रवासियों में भारत की हिस्सेदारी बमुश्किल तीन प्रतिशत है और इसकी तुलना में अमेरिका के पड़ोसी देश, मेक्सिको या लातीन अमेरिका से बड़ी संख्या में लोग गैर-कानूनी रूप से अमेरिका जाते हैं। मगर भारतीय नागरिकों पर इसलिए कार्रवाई की गई है, क्योंकि बीते कुछ वर्षों में हमने यह आंकड़ा बढ़ते देखा है, जो चिंता की वजह है। इस पूरे प्रकरण के दो पहलू स्पष्ट हैं। एक, अमेरिकी राष्ट्रपति घरेलू राजनीति के दबाव में ऐसा कर रहे हैं और अपने नागरिकों को यह एहसास दिलाना चाहते हैं कि उन्होंने चुनाव में जो कहा था, उसे पूरा करने की ताकत रखते हैं। पद संभालते ही जिस तरह से उन्होंने ताबड़तोड़ फैसले किए, उसका संदेश भी कमोबेश यही था। हां, यह अलग बात है कि उनके कुछ फैसले अब अदालती पेच में फंस गए हैं और मुमकिन है कि उन्हें अपने कदम पीछे भी खींचने पड़ जाएं। मगर इसका दूसरा पहलू कहीं ज्यादा चिंतनीय है। अवैध अप्रवासियों के खिलाफ इस कदर कार्रवाई बताती है कि आप्रवासन के खिलाफ अमेरिका, यूरोप सहित कई देशों में नकारात्मक माहौल बनने लगा है। बेशक, कार्रवाई गैर-कानूनी रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों पर हो रही है, लेकिन इसका असर कानूनी तरीके से रहने वाले लोगों पर भी पड़ सकता है। ऐसी घटनाओं का इस्तेमाल आप्रवासन के खिलाफ माहौल बनाने में किया जा सकता है। वैसे भी, संरक्षणवाद की हवा पूरी दुनिया में बहने लगी है और सभी देश अपने संसाधनों पर अपने नागरिकों का ही हक चाहने लगे हैं। भारत से लोग कहां-कहां गैर-कानूनी रूप से जाते हैं, यह कहना मुश्किल है, लेकिन माना यही जाता है कि वे अमेरिका, यूरोप, कनाडा और मध्य-पूर्व (पश्चिम एशिया) जाना ज्यादा पसंद करते हैं। पिछले साल ही मार्च में यह खबर आई थी कि वर्ष 2023 में 1,000 से अधिक भारतीयों ने गैर-कानूनी रूप से ब्रिटेन की सीमा में घुसने के लिए जीवन तक को दांव पर लगा दिया था और छोटी-छोटी नौकाओं के सहारे इंग्लिश चैनल पार करने की कोशिश की थी। ऐसा उन्होंने नौकरी पाने और बेहतर जीवन की तलाश में की थी। आंकड़े बताते हैं कि साल 2023 में ब्रिटेन में शरण मांगने वाले भारतीयों की संख्या 5000 से ज्यादा हो चुकी थी। ये संकेत हैं कि विदेश जाने के लिए भारतीय हर मुश्किल झेलने को तैयार जान पड़ते हैं, क्योंकि उनको लगता है कि बेहतर जीवन वहीं मिल सकता है। हालांकि, गैर-कानूनी रूप से विदेश जाने वालों का शोषण भी खूब होता है। पिछले दिनों ही यह खबर आई थी कि किस तरह काम की तलाश में रूस पहुंचे भारतीयों को यूक्रेन के खिलाफ जंग में झोंक दिया गया था। मानव तस्करी, अंग व्यापार, नशे के कारोबार जैसे गैर-कानूनी कामों में भी अवैध अप्रवासियों का काफी इस्तेमाल किया जाता है। चूंकि अपने देश में ऐसा कोई व्यवस्थित ढांचा नहीं है, सरकार भले ही बार-बार आग्रह करती रहती है कि गैर-कानूनी एजेंटों के झांसे में लोग न फंसे, लेकिन कबूतरबाजी और डंकी रास्ते अपने देश की हकीकत बने हुए हैं।

# दिल्ली के जनादेश की गूंज बहुत दूर तक सुनाई देगी, दांव पर केजरीवाल और राहुल गांधी की प्रतिष्ठा

दिल्ली में एक तरफ आम आदमी पार्टी है, जो वर्ष 2013, 2015 और 2020 के बाद अब वर्ष 2025 में लगातार चौथी बार दिल्ली में सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रही है। यह चुनाव आम आदमी पार्टी से ज्यादा उनके नेता अरविंद केजरीवाल के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। देश की राजधानी दिल्ली में विधानसभा की सभी 70 सीटों पर 5 फरवरी को वोट डल जाएंगे। बुधवार, 5 फरवरी को दिल्ली के डेढ़ करोड़ से ज्यादा मतदाता, अपने-अपने वोट के जरिए दिल्ली की अगली सरकार चुन लेंगे। वह फैसला करेंगे कि वह दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री किस राजनीतिक दल से बनाने जा रहा है। दिल्ली के मतदाताओं ने किसे जनादेश दिया है,यह खुलासा तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही हो पाएगा। लेकिन एक बात बिल्कुल साफ है कि देश की राजधानी दिल्ली से निकले जनादेश की गूंज बहुत दूर तक सुनाई देगी। कहने को तो, यह भी कहा जा सकता है कि दिल्ली एक पूर्ण राज्य भी नहीं है और केवल 70 विधायकों वाली विधानसभा का असर राष्ट्रीय राजनीति पर भला कैसे पड़ सकता है लेकिन यह तर्क अपने आप में पूरी तरह से गलत और बेमानी है। दिल्ली में वैसे तो मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी बनाम भारतीय जनता पार्टी का ही माना जा रहा है। लेकिन अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस ने कई विधानसभा सीटों पर चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बना दिया है। इंडिया गठबंधन के बिखरने की आशंका से डरे हुए कांग्रेस आलाकमान ने चुनाव प्रचार अभियान के शुरुआती दौर में थोड़ी हिचक जरूर दिखाई। लेकिन बाद में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से लेकर कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं ने जिस अंदाज में चुनावी रैलियां की, रोड शो किए,उसने दिल्ली की चुनावी लड़ाई को काफी दिलचस्प बना दिया है। दिल्ली में एक तरफ आम आदमी पार्टी है, जो वर्ष 2013, 2015 और 2020 के बाद अब वर्ष 2025 में लगातार चौथी बार दिल्ली में सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रही है। यह चुनाव आम आदमी पार्टी से ज्यादा उनके नेता अरविंद केजरीवाल के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। क्योंकि दिल्ली की हार अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर देगा और पार्टी के अंदर भी कई तरह के सवाल उठने लगेंगे। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा है जो देश की राजधानी दिल्ली में 27 साल के अपने वनवास को खत्म करना चाहती है। इससे पहले भाजपा दिल्ली में 1993 में सत्ता में आई थी। वर्ष 1993 में चुनाव जीतकर भाजपा ने मदन लाल खुराना को अपना मुख्यमंत्री बनाया था। जैन हवाला डायरी में नाम आने के कारण, खुराना को इस्तीफा देना पड़ा और साहिब सिंह वर्मा दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। लेकिन चुनाव से कुछ महीने पहले भाजपा आलाकमान ने उन्हें हटाकर सुषमा स्वराज को दिल्ली का मुख्यमंत्री बना दिया। हालांकि वह भी दिल्ली में भाजपा को जीत नहीं दिला पाई और 1998 में कांग्रेस से हार कर पार्टी को सत्ता गंवानी पड़ गई। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को पहले कांग्रेस ने लगातार तीन बार हराया और उसके बाद आप भी लगातार 3 चुनाव हरा चुकी है। दिल्ली की चुनावी रेस में तीसरे नंबर की पार्टी माने जाने वाली कांग्रेस इस बार सरकार बनाने से ज्यादा किंग मेकर के रूप में उभरना चाहती है। पिछले दो विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाने वाली कांग्रेस के लिए दिल्ली का यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण चुनाव माना जा रहा है।

## दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025: 8 एग्जिट पोल में बीजेपी को बढ़त का अनुमान

## आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

## सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5501

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 8 | | | 6 | 4 | | |
| | | 6 | | 9 | | 8 | | 7 |
| 5 | | | | | | | | |
| 2 | 6 | 9 | 5 | | | | 8 | |
| | | | 4 | | 9 | | | |
| | 8 | | | | 2 | 7 | 9 | 1 |
| | | | | | | | | 5 |
| 6 | | 4 | | 7 | | 2 | | |
| | | 1 | 2 | | | 9 | | 3 |

**नियम :** प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

### सुडोकू पहेली क्र. 5500

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 3 | 6 | 9 | 5 | 7 | 1 | 2 | 4 |
| 2 | 7 | 1 | 3 | 8 | 4 | 9 | 6 | 5 |
| 5 | 9 | 4 | 1 | 2 | 6 | 8 | 7 | 3 |
| 3 | 2 | 7 | 4 | 6 | 1 | 5 | 9 | 8 |
| 9 | 1 | 8 | 5 | 7 | 3 | 6 | 4 | 2 |
| 6 | 4 | 5 | 2 | 9 | 8 | 7 | 3 | 1 |
| 7 | 6 | 2 | 8 | 4 | 5 | 3 | 1 | 9 |
| 1 | 8 | 9 | 7 | 3 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 1 | 9 | 2 | 8 | 7 |

## वर्ग पहेली 5636

**संकेत: बाएं से दाएं**

1. 1965 को इस महिला ने जन्म लिया था जो अंतरिक्ष एजेंसी नासा के माध्यम से अंतरिक्ष जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला बनीं (7)
6. भूख लगना, [illegible] (3)
7. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
9. कम उम्र का लड़का (3)
10. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण इस नदी का एक नाम कालिंदी भी है (3)
12. सच्चे होने की ताईद करना, सबूत (4)
15. धन, [illegible] (2)
16. पृथ्वी, धरती (1)
17. कहे हुए का समर्थन करना, राजी करना (3)
18. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
20. नेपाल-तिब्बत सीमा पर पर्वतों पर आरोहण में निपुण पहाड़ी जन-जाति के लोग (3)
21. भीगा हुआ, [illegible] (3)
22. धोखा देकर माल या असबाब लूटने वाला (2)
24. फटा हुआ कपड़ा, चीथड़ा (2)
25. काल, शक्ति, [illegible], दम (3)

**ऊपर से नीचे**

1. सुख देने वाला, सुखदाता (5)
2. श्रीराम की सेना का शिल्पकार वानर (2)
3. लंबाई के बल जाने और चौड़ाई के बुने जाने वाले [illegible] (4)
4. योग्यता, प्रवीणता, गुण, सामर्थ्य (4)
5. दो की संख्या, [illegible] (2)
8. धीरे-धीरे आगे बढ़ना, रेंगना, खिसकना (4)
11. मेल-जोल का व्यक्ति (4)
13. युद्ध, लड़ाई (3)
14. [illegible] शाह की अभिनेत्री बहन (5)
19. ऊंचाई पैदा करने वाला (3)
20. झूठी शान, अकड़, डींग (2)
21. पुराणानुसार एक सूर्यवंशी राजा जो दशरथ के पिता थे (2)
23. दुर्दशा, दुर्गति (2)

### वर्ग पहेली 5635 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्ष | का | ह | य | र | ही | ■ | स |
| मी | र | अ | ■ | मि | ल | थ | क |
| न | य | रू | ■ | सा | ■ | टि | ल |
| ■ | र | ■ | सा | र | ना | ■ | ■ |
| ब्र | ■ | ए | ■ | वी | सि | स | ■ |
| मे | ख | दृ | त | ■ | क | ला | म |
| उ | न | ■ | मी | रा | ■ | म | ■ |
| न | क | ब | उ | ने | ■ | त | श |

# भेरपुरा में 61 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण

**मनासा, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भेरपुरा में 61 लाख रुपये की लागत से विकास कार्यों का लोकार्पण संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनप्रिय विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू ने इन विकास कार्यों को ग्रामीणों को समर्पित किया।**

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कैलाश जी पुरोहित, सत्यनारायण जी मंडवारिया, जनपद सदस्य कंकू बाई जगदीश जी गरासिया, नगजीराम जी गरासिया, भेरपुरा सरपंच नोजी गब्बा जी बंजारा, सरपंच पडदा सुभाष जी श्रीमाल, पिपलिया राव जी सरपंच प्रतिनिधि लोकेंद्र जी भाटी, भेरुलाल जी दमामी, बूथ अध्यक्ष राजू जी कछावा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू ने कहा, 'हम विकास कार्यों में सबसे आगे हैं। आपके गांव में हर जरूरी कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी। हमारी अपनी सरकार है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मनासा विधानसभा को भरपूर सौगात मिली है। हमारा संकल्प है कि इस क्षेत्र को विकास के नए आयामों तक पहुँचाया जाए।' कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला, और सभी ने विधायक श्री मारू के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की।

# जैविक उत्पादों के लिए वैश्विक मांग को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

**किसान जैविक खेती की ओर लौट रहे, आने वाले वर्षों में 20 हजार करोड़ रूपये जैविक उत्पादों के निर्यात का लक्ष्य लेकर कार्य कर रहे**

**मंदसौर/नीमच, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** जैविक उत्पादों की वैश्विक मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। सरकार ने अगले तीन वर्षों में के लिए जैविक उत्पादों के निर्यात हेतु 20,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसको लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने नए विनियमों के साथ राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) का आठवां संस्करण जारी किया है। अगले तीन वर्षों में वंछित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किसानों को जैविक खेती में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु क्या कदम उठाए जा रहे है। प्रश्न के जवाब में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि जैविक उत्पादों की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है। 2018 में जहां 105.00 वैश्विक बाजार का मूल्य (बिलियन अमेरिकी डॉलर में) था वहीं 2022 तक 141 (बिलियन अमेरिकी डॉलर में) पर पहुंच गया। इसी के साथ ही भारत सरकार जैविक उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के लिए सकेंद्रित पहल कर रही है। भारत के उत्पादन आधार और जैविक उत्पादों की वैश्विक मांग के रुझान को देखते हुए, भविष्य में भारत में दुनिया के प्रमुख जैविक उत्पाद निर्यातक देशों में से एक बनने की क्षमता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) का आठवां संस्करण दिनांक 9 जनवरी 2025 को औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया है। भारत सरकार परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए जैविक मूल्य श्रृंखला विकास मिशन (एमओवीसीडीएनईआर) के माध्यम से देश में जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है। दोनों योजनाएं जैविक खेती में नियोजित किसानों को प्रारंभ से अंत तक सहायता प्रदान करने पर ध्यान केन्द्रित करती हैं अर्थात प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, उत्पादन, प्रसंस्करण, प्रमाणन, विपणन और कटाई-उपरांत प्रबंधन किसानों को दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में अगले तीन वर्षों में जैविक उत्पादों के निर्यात को 20,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाने की क्षमता है क्योंकि अधिक से अधिक किसान जैविक खेती में प्रवेश कर रहे हैं। भारतीय किसानों को धीरे-धीरे जैविक खेती की ओर रुख करना चाहिए और घरेलू उत्पादन को बढ़ाना चाहिए तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार पर कब्जा करना चाहिए। वर्तमान में जैविक उत्पादों का निर्यात लगभग 5,000-6,000 करोड़ है जो अगले 3 वर्षों में 20,000 करोड़ तक पहुंच सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सहकारिता, कृषि और वाणिज्य मंत्रालय कौशल विकास और प्रशिक्षण, निर्यात सुविधा, विपणन और पैकेजिंग के माध्यम से किसानों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को समर्थन देकर जैविक खेती को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं।

**प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को जारी रखने को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न**- सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने की स्वीकृति को लेकर लोकसभा में प्रश्न किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के उदेश्य और लक्ष्य के अंतर्गत कितना बजट स्वीकृत किया है। सरकार का विचार नवाचार और प्रौद्योगिकी निधि (एफआईएटी) स्थापित करने का है एफआईएटी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के साथ इसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने इंडोनेशिया के साथ गैर-बासमती सफेद चावल के व्यापार के संबंध में समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं। प्रश्न के जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक की अवधि हेतु 69,515.71 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पी.एम.एफ.बी.वाई.) और रीस्ट्रक्चर्ड वेदर बेस्ड क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम (आर.डब्ल्यू.बी.सी.आई.एस.) को वर्ष 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। उससरकार ने इस योजना के तहत तकनीकी पहलों को वित्तपोषित करने हेतु 824.77 करोड़ रुपये के कुल कॉर्पस के साथ सूचना और प्रौद्योगिकी के लिए फंड के निर्माण को भी मंजूरी दी है। एफ.आई.ए.टी. का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया गया है जिसके अंतर्गत प्रौद्योगिकी नवाचारों जैसे यील्ड एस्टिमेशन थ्रू टेक्नॉलजी (यसटेक), वेदर इन्फर्मेशन नेटवर्क डेटा सिस्टम (विंड) आदि को फंड प्रदान करना, प्रौद्योगिकी (जैसे ड्रोन, आई. ओ.टी., रिमोट सेंसिंग आदि) को वित्तपोषित करना और सब्सिडी देना , प्रोडक्ट सैंडबॉक्स दृष्टिकोण के तहत नए बीमा और जोखिम सुरक्षा समाधानों के नवाचार और विकास को वित्तपोषित करना एवं प्रौद्योगिकी समाधानों में अनुसंधान और विकास एवं सुधार करना है। उन्होने बताया कि फसल क्षति और उपज नुकसान अनुमान, फसल पहचान और डिजिटलीकरण आदि के लिए अनुसंधान, डिजाइन और विकास पहल, जोखिम सुरक्षा उत्पादों और प्रौद्योगिकी समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए शैक्षणिक, अनुसंधान और विकास संस्थानों को अनुदान देना। उन्होने बताया कि बासमती के अतिरिक्त सफेद चावल के व्यापार पर इंडोनेशिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं।

## साधारण सभा की बैठक में विभागों के अधिकारियों को दिए निर्देश

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** श्री सज्जनसिंह चौहान शिवाजी अध्यक्ष जिला पंचायत नीमच की अध्यक्षता में दिनांक 07 फरवरी 2025 को जिला पंचायत सभाकक्ष में साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जल मिशन, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विघुत विभाग, आदिम जाति कल्?याण विभाग, पिछडावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आदि की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिला पंचायत अध्यक्षश्री सज्जनसिंह चौहान शिवाजी की अनुमति से सर्वप्रथम गत बैठक के पालन प्रतिवेदन जल निगम, लोक निर्माण विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विधुत विभाग प्रधानमंत्री आवास मिशन, वाटरशेड परियोजना, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, वन विभाग के पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए, सदस्यों द्वारा कहा गया कि पालन प्रतिवेदन सभी विभाग सदस्यों को 15 दिवस में उपलब्ध करवाए। जिस पर अध्यक्ष ने सभी को निर्देशित किया कि समय पर पालन प्रतिवेदन समस्त विभाग प्रस्तुत करे।, ट्रामा सेन्टर का नामकरण किए जाने, पीएम आवास पात्रता प्रावधानों की जानकारी आमजन तक पहुचाने हेतु समाचार पत्रों में समाचारदेने पीएचई द्वारा किन ग्राम पंचायतों को कितनी मोटर उपलब्ध करवाई गई इसकी जानकारी देने, ट्रासफार्मर का कार्य समय सीमा में पूर्ण करने, जल निगम द्वारा खोदी गई सी.सी. रोड मरम्मत , लोक निर्माण विभाग से ऐसी सड़कों जो नीलगाय प्रभावित क्षेत्र वहॉ पर आमजनों की जानकारी के लिए साईन बोर्ड लगाने, प्रधानमंत्री ग्राम सडक फेस 4 पर नवीन सडक जोड़ने, स्वास्थ्य विभाग कि व्यवस्था में सुधार , आदिम जाति कल्याण विभाग के होस्टल में क्षमता , दर्ज संख्या बढाने के प्रयास करने के संबंध में चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित अधिकारियों पर जि.प. अध्यक्ष ने नाराजगी जाहिर कर उनके विरुद्व कार्यवाही के निर्देश दिए।, बैठक में श्री अमन वैष्णव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमति जानीबाई शम्भूलाल धाकड, श्री अरविंद डामोर एसीईओ, जिला पंचायत सदस्य श्री तरुण बाहेती, श्रीमति मंजूबाई मांगीलाल श्रीमति मनीषा धाकड, श्रीमती लता मनीष पोरवार, श्रीमती नखरा आर सागर कछावा, एवं अन्य अधिकारी उपस्थिति थे।.

## सीए ब्रांच का ई न्यूज लेटर प्रकाशित

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** सीए मंदसौर ब्रांच का जनवरी माह के ई न्यूज लेटर का विमोचन गरिमामय कार्यक्रम में किया गया।

चेयरमेन सीए दिनेश जैन ने बताया कि न्यूज लेटर में कई महत्वपूर्ण जानकारी व आलेख है, आपने बताया कि सीए नयन जैन के नेतृत्व में पहली बार मंदसौर शाखा द्वारा मासिक ई न्यूज लेटर संपादक सीए जमीला लोखंडवाला, सीए प्रज्वी आयुष जैन द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। इस अवसर पर आईसीएआई मोटो सांग का वाचन सीए अर्पित नागर ने किया। कार्यक्रम में सीए राजेश मण्डवारिया, सीए वीरेन्द्र जैन, सीए विकास भण्डारी, सीए राजेश जैन, सीए आशीष जैन, सीए अर्पित नागदा, सीए विनय अग्रवाल, सीए नितेश भदादा, सीए अर्पित मेहता, सीए मयंक जैन, सीए योगेन्द्र जैन, सीए चेतन गुप्ता, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, सीए अंकित श्रीमाल, सीए भानु प्रताप नीमे, सीए कुलदीप पाटीदार, सीए रचित जैन, सीए श्याम ललवानी आदि उपस्थित थे। संचालन सीए आयुष जैन ने किया।

## महावीर सागर में आज भी भरपूर पानी - विधायक

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी के 2600 वें जन्म वर्ष की स्मृति में स्थानीय सकल जैन समाज की जन भागीदारी से निर्मित तीर्थंकर श्री महावीर सागर की वर्तमान स्थिति का अवलोकन तथा निरीक्षण क्षेत्र के विधायक श्री विपिन जैन ने किया। आपके साथ सकल जैन समाज की संस्था वीर पुत्र जयम् के वीरपुत्रों का एक दल भी था जिसमें सकल जैन समाज तथा वीर पुत्र जयम के पदाधिकारीगण थे। विधायक श्री विपिन जैन ने महावीर सागर पर लगभग आधे घंटे तक रह कर उसकी समस्याओं तथा भावी विकास पर मंथन किया। श्री महावीर सागर की स्थिति खिड़की माता मंदिर से मिजार्पुरा की ओर डेढ किलोमीटर दूर स्थित है।

विधायक श्री विपिन जैन के साथ वीरपुत्रों के दल में सकल जैन समाज के अध्यक्ष श्री दिलीप लोढा, वीरपुत्र संप्रेरक श्री सुरेन्द्र लोढा, संयोजक श्री विजय सुराना, महासचिवगण श्री अक्षय मारू, श्री सिद्धार्थ पामेचा, श्री विकास भंडारी, श्री उमेश जैन कलशघर, श्री अशोक कुमार मारू श्री प्रतापसिंह कोठारी, श्री कुशल नाहर श्री दिलीप अग्रवाल श्री संजय नाहर आदि उपस्थित थे।

स्थल पर सरपंच अघोरिया पंचायत श्री घनश्याम अहिरवाल, जनपद सदस्य श्री विकास दशौरा, उपसरपंच श्री राहुल दशोरा, पटेल श्री गोपाल भाई कालनिया, पटवारी ममता चन्द्रावत आदि भी ने भी क्षेत्र के विकास पर जानकारी दी। निवासी श्री गोपाल दशोरा ने विधायक श्री जैन तथा वीरपुत्रों का अपने निवास पर स्वागत किया। सरपंच श्री अहिरवाल तथा जनपद सदस्य श्री विकास दशोरा ने कहा कि क्षेत्र का नाम तीर्थकर महावीरपुरा करने से हमें प्रसन्नता होगी। वर्तमान ने इस नाम का उपयोग करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जावेगी। उपसरपंच श्री राहुल दशोरा तथा पटेल श्री गोपाल भाई ने कहा कि वर्तमान में दो हजार गायें व गौवंश प्रतिदिन इस महावीर सागर में पानी पी रही हैं भालोट तक के कुएं इससे रिचार्ज होते हैं तथा उस ओर भी सैंकड़ों पशु प्रतिदिन पानी पीते है। यह भी जानकारी दी गई कि महावीर सागर में निवासियों ने ही मछली मारने पर प्रतिबंध लगा रखा है, अतएव किसी प्रकार की हिंसा नहीं होती है। सभी जन प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि श्री महावीर सागर विकसित करने के लिये जो भी कदम उठाये जायेंगे, उनमें पंचायत, नागरिक, निवासी पूरा पूरा सहयोग करेंगे।

## सीटू ने ज्ञापन देकर समय पर वेतन देने की मांग की

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** म.प्र. दैनिक वेतन भोगी कार्यभारित गैंगमैन एकता यूनियन (सीटू) द्वारा 7 फरवरी, शुक्रवार को वेतन भुगतान में विभेद पूर्ण नीति अपनाने को लेकर नगरपालिका परिषद मंदसौर के मुख्य नगरपालिका अधिकारी के प्रतिनिधि ओ.एस. अजय मारोठिया को ज्ञापन दिया गया।सीटू के महासचिव बालू सिंह ने बताया किनगरपालिका द्वारा वेतन भुगतान में विलम्ब कारित करने व वेतन भुगतान में विभेद पूर्ण नीति अपनाई जा रही है। फरवरी माह की सात तारीख हो चुकी है अब तक वेतन का भुगतान हो जाना चाहिए लेकिन अभी तक दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को माह जनवरी 2025 का भुगतान भी नहीं किया गया है। जबकि अन्य सफाई कर्मचारियों को माह जनवरी 2025 के वेतन का भुगतान कर दिया गया है। यह नगरपालिका की वेतन भुगतान में अनियमितता के साथ-साथ विभेद पूर्ण नीति भी है। नपा से मांग की कि वेतन का अविलंब भुगतान किया जावे तथा विभेदपूर्ण नीति बंद की जावे। ज्ञापन की एक प्रति सहायक श्रमायुक्त मंदसौर को भी योग्य कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई। इस अवसर पर पंकज साकी, राकेश तंवर, संजय खमेसरा, दिलीप शुक्ला, बालूसिंह चौहान, मुनव्वर अली, महेन्द्र पंवार, मोहन चौहान, अजय उटवाल, दुर्गाशंकर कुमावत, अनील राव, मनोहर इन्द्र, शेरसिंह, भुवान विश्राम, पंकज, सिकंदर घारू, रंजीत कल्याणे, अलंका परमार, जमनाबाई, अर्जुन बामनिया, विनोद राठौड, जीतू फतरोड, गोपाल चौहान, गोरधन हंस, भूपेन्द्र सौलंकी, जगदीश टीपन, विक्रम झाला आदि उपस्थित थे।

## कलेक्टर ने खेत में जाकर किया जैविक खेती का अवलोकन

**नीमच, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को नीमच क्षेत्र के भ्रमण दौरान ग्राम जावी में प्रगतिशील कृषक श्री जानकीलाल-लक्ष्मीनारायण पाटीदार के खेत पर जाकर, जैविक खेती का अवलोकन किया। कलेक्टर ने किसान के खेत में ड्रीप एवं मल्चिंग पद्धति से शिमला मिर्च, पपीता, तरबुज एवं टमाटर की, की जा रही जैविक खेती का निरीक्षण कर, जैविक खेती से हो रहे लाभ की जानकारी ली।

## समुदाय विशेष के सभी गांवों में पात्र हितग्राहियों से चर्चा कर, योजनाओं में लाभांवित करें- चंद्रा

**नीमच, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** जिले में समुदाय विशेष के उत्थांन एवं कल्याण के लिए जिला प्रशासन नीमच द्वारा चलाए जा रहे पंख अभियान के तहत सभी विभागों के जिला अधिकारी समुदाय विशेष के हितग्राहियों से चर्चा कर, उन्हेंस सूचीबद्ध करें और उनको पात्रतानुसार स्वरोजगार के लिए ऋण एवं अनुदान उपलब्धो कराने हेतु प्रकरण तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को बांछडा बाहुल्य ग्राम किशनपुरा में पंख अभियान के तहत ग्राम चौपाल पर ग्रामीणों के बीच बैठकर, चर्चा करते हुए उद्यान, कृषि, स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, उद्योग एवं आदिम जाति कल्याण एवं अन्य जिला अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, संयुक्त कलेक्टर डा.ममता खेडे, एसडीएम श्री संजीव साहू सहित जिला नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम चौपाल पर ग्रामणों से रूबरू होते हुए कलेक्टर ने कहा, कि ग्राम की सभी महिलाएं स्व सहायता समूह से जुड़कर, स्व रोजगार गतिविधियाँ जैसे मसाला उद्योग, आटा चक्की, सेंट्रिंग कार्य, सिलाई प्रशिक्षण एवं ब्यूटी पार्लर एवं अन्य स्वंरोजगार गतिविधियाँ संचालित करें। उन्हें शासन, प्रशासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर ने किराना व्यवसाय, ड्रीप एरिगेशन, स्प्रींकलर, सिंचाई के लिए आवश्यक उपकरण कृषि यंत्र उपलब्ध, करवाने की बात भी कही। कलेक्टर ने कहा, कि बच्चोंत को स्कूल भेजे और उन्हें अच्छी शिक्षा दिलवाए। ग्रामीणों से चर्चा में कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी और उनका निराकरण करवाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। ग्राम के रोहित चौहान एवं श्री रोशन ने स्कूल में स्कूल की बाउण्ड्री वाल बनवाने और स्कूल परिसर में स्थित कुएं को बंद करवाने, गांव में शांतिधाम निर्माण, सामुदायिक शौचालय का निर्माण, नाली निर्माण की मांग भी की। इस पर कलेक्टर ने पंचायत सचिव से कहा, कि वे ग्राम पंचायत में प्रस्ताव पारित कर, भिजवाए और इन कार्यो को प्राथमिकता से शामिल करें। कलेक्टर ने कहा, कि जल जीवन मिशन के तहत कोई भी बस्ती छूटेगी नहीं। सभी को नल से जल उपलब्ध करवाया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि संबंधित प्राचार्य गांव में घर-घर सर्वे करवाकर, ड्राप आउट बच्चों की जानकारी संकलित कर, आगामी सत्र से सभी ड्राप आउट बच्चों को स्कूलों में दाखिला दिलाना सुनिश्चित करें। गांव की एक महिला ने पति पप्पू की करंट से मृत्यु हो जाने पर एमपीईबी से आर्थिक सहायता नहीं मिलने की बात कही।

## एमपी में नई नियुक्तियां नहीं होने से अगले तीन साल में सरकारी कार्यालय सूने हो जाएंगे -चन्द्रे

**मंदसौर जिले में ही 9 हजार 803 कर्मचारी कार्यरत है जबकि, अनेक पद रिक्त पड़े हैं**

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 1990 के बाद विभागीय ढांचे के अनुरूप नवीन कर्मचारियों की भार्ती नहीं करने के कारण सरकार को अपने कामकाज चलाने के लिए भी आउटसोर्स का सहारा लेना पड़ेगा, क्योंकि सभी सरकारें कर्मचारियों की नियुक्ति के मामले में सुस्त ही रही है।

उक्त विचार व्यक्त करते हुए सेवानिवृत्त पेंशनर्स महासंघ मंदसौर जिले के उपाध्यक्ष एवं शिक्षाविद रमेशचन्द्र चन्द्रे ने कहा कि 31 मार्च 2023 को जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश में 5 लाख 90 हजार 550 कर्मचारी कार्यरत थे किंतु 2024 में 1 लाख 17 हजार कर्मचारी रिटायर्ड हुए एवं 2025 में करीब 1 लाख 25 हजार कर्मचारी सेवा निवृत हो जाएंगे इस प्रकार 2026 में लगभग 3 लाख 65 हजार 550 कर्मचारी रह जाएंगे। श्री चन्द्रे ने कहा कि वर्तमान में भी भोपाल स्थित वल्लभ भवन, सतपुड़ा भवन और विंध्याचल भवन के शासकीय कार्यालयों में अनेक टेबलें खाली पड़ी होती है और यही हाल मध्यप्रदेश के विभिन्न विभागों में संभागीय स्थान से लेकर तहसील स्तर तक देखने को मिल जाएगा। श्री चन्द्रे ने कहा कि प्रदेश में रिटायर्ड लोगों की संख्या अधिक होगी जबकि रनिंग कर्मचारी उनकी तुलना में बहुत कम हो जाएंगे। यदि सेवा निवृत्ति की उम्र बढ़ा-बढ़ाकर सरकार इसकी पूर्ति करती है तो नए युवक, बेरोजगारी के कगार पर खड़े रहेंगे जिसके कारण सामाजिक अपराधों में बढ़ोतरी होने की संभावना बन सकती है? इसलिए सेवानिवृत्ति की उम्र को नहीं बढ़ा कर नई नियुक्तियों के प्रति सरकार को सचेत हो जाना चाहिए अन्यथा आगे आने वाले वर्षों में शासकीय ढांचा चरमरा जाएगा तथा नागरिकों के शासकीय कामकाज भी गतिहीन हो जाएंगे। श्री चन्द्रे ने आग्रह किया है कि नवाचार एवं नई टेक्नोलॉजी को सरकारी कामकाज में बढ़ाने के साथ-साथ यदि कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की जाती है तो बड़े-बड़े सरकारी भवन और संसाधन बेकार हो जाएंगे इसलिए नई नियुक्तियां विभिन्न विभागों में की जाना चाहिए।

## मंदसौर डाक संभाग में महामेले का आयोजन सम्पन्न

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** डाकघर अधिक्षक श्री जगदीश प्रसाद द्वारा बताया गया कि 5 फरवरी को कुशाभाउ ठाकरे प्रेक्षाग्रह में ग्रामीण डाक जीवन बीमा के महामेले का आयोजन किया गया । जिसके मुख्य अतिथि पोस्टमास्टर जनरल, म.प्र. परिमंडल, भोपाल श्री विनित माथुर एवं विशेष अतिथि पोस्टमास्टर जनरल, इंदौर परिक्षेत्र सुश्री प्रीती अग्रवाल थे ।मुख्य अतिथि द्वारा आमजन को बेहतर विभागीय सेवायें जैसे आधार, पासपोर्ट सेवा, डाकघर बचत बैंक, आईपीपीबी, सुकन्या समृध्दि योजना, मर्चेट अकाउंट, डाक जीवन बीमा, आदि की जानकारी दी गई एवं विशेष अतिथि द्वारा जिले की 0-10 वर्ष आयु तक की समस्त बालिकाओं के सुकन्या समृध्दि योजना के खाते खुलवाकर भारत सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना का लाभ उठाने हेतु आव्हान किया गया ।इस कार्यक्रम में डाकघर अधिक्षक श्री जगदीश प्रसाद, सहायक अधिक्षक श्री अशोक कुमार जखोड़े, श्रीमती मनीषा मीणा, कार्यालय पर्यवेक्षक, समस्त उपसंभागीय प्रमुख, समस्त ग्रामीण डाक सेवक एवं कर्मचारी उपस्थित थे ।

*8 फरवरी, जन्मदिन पर विशेष ...*

# उत्सवों का कवि...... अशोक चक्रधर

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** वाचिक परम्परा के प्रमुख व सशक्त हस्ताक्षर डॉ. अशोक चक्रधर का जन्म 8फरवरी, 1951को खुर्जा उत्तर प्रदेश के अहिरपाड़ा मोहल्ले में डॉ. राधेश्याम शर्मा प्रगल्भ के यहां हुआ. माता कुसुम प्रगल्भ जहां गृहिणी थीं वहीं पिता डॉ. राधेश्याम शर्मा प्रगल्भ अपने समय के लब्ध प्रतिष्ठित बाल साहित्यकार, सम्पादक, और कवि थे. बाल्यकाल से ही सांस्कृतिक एवम् साहित्यिक कार्यों मैं रूचि होने तथा बचपन से ही कवि पिता का साहित्यिक मार्गदर्शन मिलने के कारण आप स्वाभाविक रूप से कविता कर्म की ओर उन्मुख हुए. लगभग 10वर्ष की आयु में आपने वर्ष 1960में अपनी स्वरचित कविता तत्कालीन रक्षा मंत्री कृष्ण मैनन जी को सस्वर सुनाई. कविता और मंच के प्रति अत्यधिक आकर्षण के उपरान्त भी अशोक जी अपने अध्ययन के प्रति भी अत्यन्त सजग रहे, इसी का परिणाम है की

आपने वर्ष 1970में अपनी स्नातक उपाधि प्रथम श्रेणी मंन प्राप्त की. वर्ष 1972में आपने आगरा विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी में हिन्दी साहित्य में एम. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रवीण्य सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त किया. कालान्तर में दिल्ली विश्वविद्यालय से एम. लिट्. की उपाधि को प्राप्त किया. इसी समय आप दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती महाविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में नियुक्त हुए. वर्ष 1975 के आस पास आप जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय के हिन्दी एवम् पत्रकारिता विभाग में पहले प्राध्यापक और बाद में पदोन्नत हो इस विभाग के आचार्य तथा अध्यक्ष नियुक्त हुए तथा यहीं से सेवानिवृत्त भी हुए. अशोक चक्रधर उत्सवों के कवि हैं या मैं यह कहूं कि की वे जहां पहुंच जाते हैं वहीं उत्सव हो जाता है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी. हास्य और व्यंग्य से परिपूरित उनकी कविताएं गुदगुदाने के अलावा सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर इतनी गहरी टिप्पणी करती हैं की व्यक्ति सोचने पर मजबूर हो जाता है. हिन्दी, उर्दू, और लोकभाषा के शब्दों का प्रयोग करते हुए वे अपनी कविताओं में भाषा का प्रवाह सहज और सरल बनाएं रखने में सिद्धहस्त हैं. समकालीन सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश पर केन्द्रित उनकी तमाम रचनाओं में प्रश्नोत्तर, संवाद और कहानीपन देखने को मिल जाता है. अशोक चक्रधर जी की कविताएं केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं हैं समाज को जागरूक करने और व्यंग्य के माध्यम से ध्यान आकर्षित करने का माद्दा भी रखती हैं. समाज की विद्रूपताओं, विसंगतियों पर अशोक चक्रधर एक कुशल शल्य चिकित्सक की भांति नश्तर लगाते हैं और सारा मवाद बाहर निकल जाता है लेकिन खून का एक भी खतरा नहीं दिखता.

चक्रधर की कविताओं में कविता के पहले तीनों अक्षरों क से कल्पना , वि से विचार और ता से तालमेल के दिग्दर्शन हमें स्वाभाविक रूप से होते है जो उन्हें हास्य व्यंग्य के अन्य कवियों से अलहदा खड़ा करती हैं. हिन्दी भाषा और उसकी प्रकृति को अपनी कविता में संजोता और नए ढंग से रचता यह कवि आस पास के प्रतीकों, प्रतिमानों, प्रतिबिम्बों को जिस तरकीब से उठता है और उन्हें जिस खूबसूरती से परोसता है वह अपने आप में अदभुत है. लेखक, निर्देशक, साहित्यिक आलोचक, टेलीविज़न के धारावाहिकों में संवाद लेखन, फिल्मों की पटकथाओं और नाट्य मंचनों जैसी कई विधाओं में सतत् रूप से आप सक्रिय हैं. वर्ष 1975में मैकमिलन प्रकाशन से प्रकाशित पुस्तक मुक्तिबोध की काव्य प्रकिया तथा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के स्वनामधन्य प्राध्यापक इ. एच. कार की पुस्तक व्हाट इज़ हिस्ट्री का हिन्दी अनुवाद इतिहास क्या है ? को नि: संदेह शास्त्रीय पुस्तकों की श्रेणी में रखा जा सकता है. साहित्य अकादमी पुरस्कार, यश भारती सम्मान, अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मान, ठिठोली पुरस्कार, ब्रज विभूति सम्मान के साथ ही वर्ष 2014 में भारत सरकार ने अशोक जी को शिक्षा साहित्य में उनके अवदान को देखते हुए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया है. साहित्य और इतिहास के संबंधों को लेकर आप काफ़ी मुखर रहे हैं, आपकी मान्यता है कि साहित्य और इतिहास समाज की आत्मा और उसकी यात्रा को समझने का एक सशक्त माध्यम है. उन्हीं की दो अलग अलग मिजाज़ की कविताओं की कुछ पंक्तियों से इस आलेख को विराम देना जहां श्रेयस्कर होगा वहीं सुधि पाठकों के लिए सुखद भी तो आइए चलिए अशोक चक्रधर क्या कहते... तू अगर दरिंदा है तो यह मसान तेरा है, अगर परिंदा है तो आसमान तेरा है, अरे तबाहियां तो किसी और की तलाश में थीं, कहां पता था उन्हें यह मकान तेरा है एक दूसरे मूड की कविता... तुम भी जल थे, हम भी जल थे, इतने घुले मिले थे, की एक दूसरे से जलते न थे, न तुम खल थे न हम खल थे, इतने खुले खिले थे कि एक दूसरे को खलते न थे, अचानक तुम हमसे जलने लगे, तो हम तुम्हें खलने लगे, तुम जल से भांप हो गए, तू और तुम से आप हो गए अशोक चक्रधर जी को उनके जन्मदिन के अवसर पर अनन्त शुभकामनाएं. इति शुभम्।

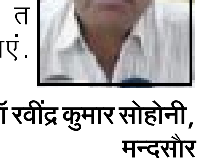

**डॉ रवींद्र कुमार सोहोनी, मन्दसौर**

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 12 | 2140 | 2343 |
| उडद | 15 | 4561 | 5250 |
| सोयाबीन | 3715 | 4000 | 4271 |
| गैहु | 1285 | 2871 | 3085 |
| चना | 40 | 4444 | 5300 |
| मसुर | 67 | 4501 | 6151 |
| धनिया | 362 | 5000 | 7502 |
| लहसुन | 20000 | 4000 | 10500 |
| मैथी | 360 | 4000 | 5730 |
| मुंगफली | 1071 | 4150 | 5181 |
| अलसी | 913 | 5190 | 5982 |
| सरसो | 564 | 4800 | 5680 |
| तारामीरा | 1 | 4000 | 4000 |
| इसबगोल | 55 | 8100 | 11001 |
| प्याज | 921 | 600 | 2311 |
| कलोंजी | 5 | 15253 | 17000 |
| तुलसी बीज | 6 | 12911 | 15400 |
| डॉलर | 7 | 3884 | 7181 |
| तिल्ली | 65 | 8788 | 8788 |
| जौ | 6 | 2471 | 2471 |
| मटरसुखी | 000 | 0000 | 0000 |
| असालीया | 166 | 8051 | 8721 |
| चियाबीज | 14 | 11500 | 13280 |

# तीतर पकड़ने वाले आरोपी को एक वर्ष का सश्रम कारावास

**नीमच, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** श्रीमति पुष्पा तिलगांम, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीमच के द्वारा दो तीतर को पकड़ने वाले प्रतापसिंह पिता गिनोसिंह, उम्र-37 वर्ष, निवासी-ग्राम जग्गाखेड़ी, जिला-मंदसौर, वर्तमान निवासी-एकता कॉलोनी, शिवघाट, जिला-नीमच (मध्यप्रदेश) को धारा 2, 9, 39 सहपठित धारा 51 वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अंतर्गत 01 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 10000 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री पारस मित्तल द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 08 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 17.09.2017 को हिंगोरिया रेल्वे फाटक, नीमच की हैं। घटना दिनांक को वन परिक्षैत्र अधिकारी प्रतापलाल गेहलोत अपने गश्ती स्टॉफ के साथ गश्त करते हुवे चीताखेड़ा की ओर जा रहे थे, कि हिंगोरिया रेल्वे फाटक के पास एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसायकल पर दिखाई दिया, जिसकी तलाशी लिये जाने पर पिंजरे में दो जीवीत तीतर व दो फंदे व एक पक्षीयों का शिकार करने की गिलोल मिली। आरोपी का कृत्य वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अंतर्गत दण्डनीय होने से मौके से आरोपी के कब्जे वाली मोटरसायकल, दोनो तीतर, फंदा, पिंजरा व गिलोल को जप्त किया गया व आरोपी के गिरफ्तार किया जाकर उसके विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किये जाने के उपरांत विवचना बाद परिवाद-पत्र नीमच न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में जप्तीकर्ता अधिकारी, पंचसाक्षी व गश्तीदल के सदस्यों सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री पारस मित्तल, एडीपीओ द्वारा की गई।

# एमपी बोर्ड परीक्षा : दिव्यांग विद्यार्थियों को मिलेगा एक घंटा ज्यादा

## लेखक, कंप्यूटर और टाइप राइटर की सुविधा दी जाएगी, नकल रोकने के लिए उठाए कदम

**भोपाल, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा 24 फरवरी से आयोजित की जा रही है। बोर्ड परीक्षा में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कई सुविधाएं दी गई हैं। वे अपने साथ लेखक को ले जा सकेंगे। साथ ही कंप्यूटर या टाइप राइटर चयन की सुविधा भी दी गई है। इन सभी की जानकारी स्कूलों को 15 फरवरी तक माशिमं को उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा इन विद्यार्थियों को तीन घंटे की परीक्षा के दौरान एक घंटे का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इसके लिए माशिमं ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके अलावा नकल रोकने के लिए भी सख्त कदम उठाए गए है।

बीते वर्ष बोर्ड परीक्षा और इस वर्ष कक्षा 10वीं की प्री बोर्ड परीक्षा के पेपर सोशल मीडिया पर वायरल होने से हुए हंगामे से माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सबक ले लिया है। अब प्रत्येक सेंटर पर एक ही कक्षा के अलग-अलग पेपर रहेंगे। हर सेंटर के पेपर में बार कोड भी रहेगा। अगर परीक्षा में पेपर लीक हुआ तो सीधी कार्रवाई केंद्राध्यक्ष पर होगी। जनवरी में कक्षा 10वीं की प्री बोर्ड की परीक्षा के दौरान सोशल मीडिया पर परीक्षा से पहले पेपर लीक होकर बच्चों के हाथ में पहुंच गए। बच्चे परीक्षा केंद्र में पहुंचे तो वो ही सभी प्रश्न थे। इस घटना से हुई किरकिरी के बाद अब बोर्ड ने पेपर आउट होने से रोकने के लिए यह कदम उठाया है। बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। पेपर प्रत्येक सेंटर के अनुसार छपवाए जा रहे हैं। हर सेंटर में पेपर पर अलग-अलग बार कोड डाला जा रहा है। जैसे सीएम राइज पदमा स्कूल के गणित विषय का जो पेपर होगा, उसका और उत्कृष्ट स्कूल मुरार में होने वाला गणित का पेपर तो समान होगा, लेकिन इस पर लिखा बार कोड अलग-अलग होगा। ऐसे में पेपर आउट होगा तो उसके बार कोड से सेंटर की पहचान हो सकेगी और उसे आसानी से पकड़ा जा सकेगा।

### पांचवीं आठवीं में भी होगे नियम-कायदे...

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पांचवीं-आठवीं की बोर्ड परीक्षा 24 फरवरी से आयोजित हो रही है। इस बार हर जनशिक्षा केंद्र के तहत पांच केंद्र बनाए जाएंगे। परीक्षा केंद्र स्कूल से तीन किमी के अंदर ही होंगे और एक केंद्र पर 250 से अधिक विद्यार्थी शामिल नहीं होंगे। विशेष परिस्थितियों में राज्य शिक्षा केंद्र को सूचित करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अनुमति से परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा सकेगी। इस बार परीक्षा के लिए राज्य व जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष भी बनाया जाएगा। परीक्षा से संबंधित कोई भी शिकायत यहां दर्ज कराई जा सकेगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इसमें निर्देशित किया गया है कि इस बार डिटेंशन पॉलिसी भी लागू होगी। बता दें कि इस बार परीक्षा में सरकारी व निजी स्कूलों के करीब 24 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे।

### डिटेंशन पॉलिसी लागू होगी...

कक्षा 5वीं व 8वीं की परीक्षा में निर्धारित अर्हकारी अंक प्राप्त नहीं करने वाले विद्यार्थियों को पुन: परीक्षा का अवसर दिया जाएगा। इसके लिए दो माह बाद पुन: परीक्षा आयोजित होगी। पुन: परीक्षा में भी अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को उसी कक्षा में रोके जाने (डिटेंशन पालिसी) का प्रविधान होगा। प्रत्येक विषय में लिखित परीक्षा 60 अंक का होगा, जिसमें 33 प्रतिशत यानी 20 अंक लाने होंगे। उससे कम अंक लाने वाले बच्चों को पुन: परीक्षा देनी होगी। इसके बाद भी कोई फेल हो जाता है तो उसे उसी कक्षा में रोक लिया जाएगा।

# आज ग्यारस के दिन सजेगा साँवरिया सेठ का भव्य दरबार, भक्ति भाव से गूंजेगा नगर

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगने जा रहा है नगर, जब ग्यारस के पावन अवसर पर साँवरियासेठ का भव्य दरबार सजेगा। इस दिव्य आयोजन में मालवा-मेवाड़ के सुप्रसिद्ध भजन गायक पंडित गोकुल शर्मा अपने मधुर स्वरों में मस्ती और भक्ति से ओत-प्रोत भजनों की अमृत वर्षा करेंगे।

दशपुर सांस्कृतिक उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भानुप्रताप सिसौदिया ने बताया कि इस पावन अवसर पर लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर और भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर साँवरिया भक्ति रस का आनंद लेंगे। आयोजन की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं, और महिलाओं के बैठने के लिए विशेष एवं सुचारु व्यवस्था समिति द्वारा सुनिश्चित की गई है। यह भव्य आयोजन आज, 8 फरवरी को, शाम 7:30 बजे, महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर आयोजित किया जाएगा। क्षेत्रवासियों और साँवरिया भक्तों में इस आयोजन को लेकर अपार उत्साह देखा जा रहा है, और नगर में भक्तिमय माहौल बन चुका है। भक्ति के इस महासंगम में आप सादर आमंत्रित हैं।

# मारपीट करने वाले 6 आरोपियों को 6 माह का कारावास

**मनासा, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** सुश्री शिवांगी सिंह परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनासा, जिला नीमच के द्वारा पशु चराने की बात को लेकर फरियादी के साथ मारपीट करने वाले 02 महिला सहित कुल 06 आरोपीगण (1) राकेश पिता केशरलाल रावत, उम्र-26 वर्ष, (2) अशोक पिता केशरलाल रावत, उम्र-24 वर्ष, (3) बालीबाई पति केशरलाल रावत, उम्र-65 वर्ष, (4) प्रद्युम्न पिता गोबरलाल रावत, उम्र-25 वर्ष, (5) कारीबाई पिता सालगराम मीणा, उम्र-42 वर्ष व (6) राहुल पिता तुलसीराम रावत मीणा, उम्र-24 वर्ष, सभी निवासीगण-ग्राम कुंदवासा, तहसील-मनासा, जिला नीमच को धारा 323/34 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 06-06 माह के कारावास एवं 1000-1000 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री विपिन मण्डलोई द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 07 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 04.09.2018 को शाम के लगभग 05 बजे ग्राम कुंदवासा स्थित केशरलाल के घर के सामने की हैं। घटना दिनांक को आहत फरियादी हेमंत जब खेत से घर की तरफ आ रहा था तभी केशरमल के घर के पास आरोपीगण, फरियादी से पशु चराने की बात को लेकर विवाद करने लगे और उसके साथ मारपीट कर उसको घायल कर दिया। मौके पर उपस्थित लोगो ने बीच-बचाव किया। फरियादी ने घटना की रिपोर्ट पुलिस थाना कुकडेश्वर में लिखाई, जिस पर से आरोपीगण के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया तथा आवश्यक विवेचना के उपरांत अभियोग-पत्र मनासा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी व चश्मदीद साक्षी सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराते हुवे आरोपीगण को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगण को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया तथा अर्थदण्ड की राशि में से 4000 रूपये आहत को प्रतिकर के रूप में प्रदान किये जाने का आदेश भी दिया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री विपिन मण्डलोई, एडीपीओ द्वारा की गई।

# औद्योगिक विकास के नये युग की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश-मुख्यमंत्री

## ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पहली बार होंगी सेक्टर वाइस समिट, विशेषज्ञ, नीति निर्माता और निवेशक होंगे एक मंच पर

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अपने रणनीतिक प्रयासों से औद्योगिक विकास के नए युग की ओर अग्रसर है। निवेशकों को अधिक प्रभावी अवसर देने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में राज्य के प्रमुख 6 सेक्टर्स पर केंद्रित समिट के आयोजन की महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। यह पहली बार होगा जब हर सेक्टर के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और निवेशक एक मंच पर आकर विशेषज्ञ चर्चाओं, अवसरों और नीतिगत सुधारों पर संवाद करेंगे। इससे निवेश प्रक्रिया को अधिक सुगम, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनाया जा सकेगा।

**देश का आकर्षक डेस्टिनेशन बनता मध्यप्रदेश**–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की अद्वितीय भौगोलिक स्थिति, समृद्ध प्राकृतिक संसाधन, विकसित बुनियादी ढांचा और उद्योग-अनुकूल नीतियां इसे निवेश के लिए देश का सबसे आकर्षक डेस्टिनेशन बनाती हैं। शहरी विकास, पर्यटन, माइनिंग, रिन्यूएबल एनर्जी, आईटी और एमएसएमई, ये सभी क्षेत्र अपनी असीमित संभावनाओं और अनुकूल वातावरण से निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। मध्यप्रदेश न केवल देश का पहला डायमंड प्रोड्यूसिंग स्टेट है, बल्कि ग्रीन एनर्जी हब, विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र और उभरते हुए टेक्नोलॉजी हब के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। इन विभागीय समिट से सरकार निवेशकों को नीतिगत प्रोत्साहन, संसाधनों की उपलब्धता और औद्योगिक ईको सिस्टम की मजबूती से अवगत कराएगी। इससे जीआईएस में होने वाली चर्चाएं वास्तविक निवेश प्रस्तावों में तब्दील हो सकेंगी।

**शहरी विकास समिट**–मध्यप्रदेश का शहरी बुनियादी ढांचा तेजी से सुदृढ़ हो रहा है। राज्य की स्मार्ट सिटी परियोजनाएं, मेट्रो रेल प्रोजेक्ट और लॉजिस्टिक्स हब इसे एक आदर्श रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश डेस्टिनेशन बना रहे हैं। जीआईएस में शहरी विकास समिट के माध्यम से स्मार्ट और सतत् शहरों के निर्माण पर केंद्रित चर्चा होगी, जिससे नवाचार और आधुनिक शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

**पर्यटन समिट**–मध्यप्रदेश को 'भारत का दिल' कहा जाता है और इसके धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौन्दर्य से पूर्ण पर्यटन क्षेत्र पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। खजुराहो, उज्जैन, साँची, पचमढ़ी, कान्हा और बांधवगढ जैसे विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर उपलब्ध कराने के लिये तैयार हैं। पर्यटन समिट में हॉस्पिटैलिटी, थीम-बेस्ड डेस्टिनेशन और एडवेंचर टूरिज्म में निवेश को बढ़ावा देने के लिए गहन चर्चा होगी।

**माइनिंग समिट**–मध्यप्रदेश खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है। यह देश में डायमंड, लाइमस्टोन, बॉक्साइट, कोयला, मैंगनीज और तांबे का प्रमुख उत्पादक है। पन्ना स्थित एशिया की एकमात्र डायमंड माइंस और विशाल कोयला भंडार राज्य को माइनिंग इंडस्ट्री के लिए एक आदर्श डेस्टिनेशन बनाते हैं। जीआईएस में माइनिंग समिट से खनन आधारित उद्योगों, मूल्यवर्धित प्र-संस्करण और नीतिगत प्रोत्साहनों पर चर्चा होगी।

**रिन्यूएबल एनर्जी समिट**–मध्यप्रदेश ग्रीन एनर्जी हब बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। रीवा सोलर प्लांट, ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट और ग्रीन हाइड्रोजन में हो रहे विकास इसे नवकरणीय ऊर्जा निवेशकों के लिए एक प्रमुख केंद्र बना रहे हैं। जीआईएस में आयोजित रिन्यूएबल एनर्जी समिट में सौर, पवन और हाइड्रोजन ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश के लिए ठोस रणनीतियां प्रस्तुत की जाएंगी।

**आईटी एंड टेक्नोलॉजी समिट**–मध्यप्रदेश अब टेक्नोलॉजी और डिजिटल इनोवेशन का केंद्र बन रहा है। इंदौर आईटी हब, डेटा सेंटर पॉलिसी, स्टार्ट-अप ईको सिस्टम और उभरते एआई और साइबर सिक्योरिटी क्षेत्रों में तेजी से निवेश आ रहा है। जीआईएस में आईटी समिट के माध्यम से डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आईटी पार्क और नई टेक्नोलॉजीज पर निवेश की संभावनाओं को रेखांकित किया जाएगा।

**एमएसएमई समिट**–मध्यप्रदेश का एमएसएमई सेक्टर राज्य की आर्थिक रीढ़ है, जहां लाखों सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम कार्यरत हैं। वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट योजना, नए क्लस्टर और निर्यात प्रोत्साहन नीतियां इसे निवेश के लिए एक डेस्टिनेशन बना रही हैं। एमएसएमई समिट में उद्योगों को वित्तीय सहयोग, टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन और नए बाजारों तक पहुंच को लेकर चर्चा होगी।

**प्रवासी समिट**–मध्यप्रदेश प्रवासी भारतीयों को प्रदेश के उद्योग, स्टार्ट-अप, पर्यटन, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया है। यह समिट न केवल राज्य की आर्थिक प्रगति में प्रवासी भारतीयों की भागीदारी सुनिश्चित करेगा, बल्कि मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मध्यप्रदेश प्रवासी भारतीय समिट का उद्देश्य विश्वभर में बसे मध्यप्रदेश के प्रवासी भारतीयों को एक मंच पर लाना और उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने के साथ ही मध्यप्रदेश के विकास में प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर चर्चा की जाएगी। साथ ही समिट मध्यप्रदेश के प्रवासी भारतीयों को अपनी जड़ों से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर भी मिलेगा।इन विभागीय समिट से सरकार मध्यप्रदेश में निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। जीआईएस के इस नए स्वरूप से न केवल उद्योग और निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोजगार और आर्थिक विकास के नए अवसर भी सृजित होंगे। मध्यप्रदेश अब सिर्फ निवेश का केंद्र नहीं, बल्कि भारत के औद्योगिक भविष्य का निर्माण करने वाला प्रमुख राज्य बन रहा है।

# केसरिया जागृति मंच का तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन स्थापना दिवस कल

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** केसरिया जागृति मंच अपना तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन स्थापना दिवस 9 फरवरी 2025 को भोपाल में सुबह 10बजे 4 बजे तक सेंट्रल पार्क में मनाने जा रहा है जिसमें पूरे भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों के कार्यकर्ता अपनी अपनी सहभागिता के लिए आ रहे हैं और मंदसौर से भी कार्य करता भारी संख्या में पहुंच रहे हैं केसरिया जागृति मंच के संस्थापक नीतू सुशांत व ब्रांड प्रतिनिधि सुधा फरक्या ने बताया कि आप लोग अपने सनातन धर्म संस्कृति को जीवनदान देने के लिए उसकी रक्षा के लिए सभी तो नहीं आ सकते लेकिन कुछ लोग समाज की अगली पंक्ति में खड़े होकर समाज की कुर्तियां के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी जिससे सनातन धर्म का अखंड दीप प्रज्वलित होता रहे भारत माता के प्राण में ज्योति जलती रहे प्रदेश सचिव सीमा नगर व शकुंतला सोनी ने भी अपील की है कि जो भी कार्यकर्ता रह गए हैं वह भी समय पर अधिवेशन में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

# मप्र को लगातार सात बार मिले हैं कृषि कर्मण अवार्ड

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयास से कृषि के क्षेत्र में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों में शामिल है। मध्यप्रदेश को वर्ष 2011-12 से 2017-18 तक लगातार 7 बार कृषि कर्मण अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है।मध्यप्रदेश वर्ष-2011-12, 2012-13 एवं 2014-15 में कुल खाद्यान्न केटेगरी के लिए, वर्ष-2013-14, 2015-16 एवं 2016-17 में गेहूं फसल के लिये और वर्ष 2017-18 में दलहन फसल के लिये कृषि कर्मण अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है। वर्ष-2022 में मध्यप्रदेश के भू-अभिलेखों के एकीकरण के लिये केन्द्र सरकार द्वारा फसल बीमा योजनांतर्गत उत्कृष्ता पुरस्कार प्रदान किया गया है। गेहूं, उड़द, मसूर, सोयाबीन, अलसी, फसलों का क्षेत्राच्छादन सबसे अधिक है। मक्का और तिल के उत्पादन में मप्र प्रथम स्थान पर है।


**✻ उठावना ✻**

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय नंदराम जी की पुत्री एवं स्वर्गीय राधेश्याम जी , जगदीश , गोविंद , मनोहर , की बहन एवं श्यामलाल, गोपाल, लक्ष्मी नारायण, महेश, गिरीश, भूपेंद्र, चन्द्रशेखर (लालू), देवेंद्र, महेंद्र की भुवा जी श्रीमती कमला बाई का निधन 06/02/2025 को हो गया था। जिनका उठावना आज 08/02/2025 शनिवार को प्रात 10 बजे निवास स्थान (महावीर साइकिल स्टोर के पास) पिपलिया मंडी पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

लोहार परिवार पिपलिया मंडी


# ब्रिज निर्माण के अधूरे कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करें-कलेक्टर

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग एवं सेतु निगम के कार्यों की समीक्षा बैठक सुशासन भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सेतु निगम के कार्यपालन यंत्री को निर्देश देते हुए कहा कि जिले में जितने में ब्रिज निर्माण के कार्य है, उनको जल्द समय सीमा में पूर्ण करें। इसके साथ ही जिन ब्रिजों का काम एजेंसी के कारण रुका हुआ है, उन पर टेंडर के अनुसार पेनल्टी लगाएं। ऐसे ब्रिज जिनका मेंटेनेंस करना है, उन पर तत्काल मेंटेनेंस का कार्य शुरू करें। संजीत रेलवे ब्रिज के शेष कार्य का तत्काल हल निकाले तथा पूर्ण करें। शिवना ब्रिज निर्माण कार्य में गति लाए। जितने भी निर्माण कार्य चल रहे हैं उनकी समय सीमा तय करके पूर्ण करें। बिना कारण निर्माण कार्यों की अवधि ना बढ़ाएं।

सभी निर्माण विभाग अपने-अपने विभाग के निर्माण कार्यों की एक समीक्षा बैठक सभी जनप्रतिनिधियों के साथ प्रत्येक माह आयोजित करें। तथा जनप्रतिनिधियों को निर्माण कार्यों की जानकारी दें। पीडब्ल्यूडी विभाग सड़क निर्माण के ऐसे कार्य जिनका 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य को जल्द पूर्ण करें। मार्गो के सौंदर्यीकरण का कार्य करें। मल्हारगढ़ बस स्टैंड निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाएं तथा उस पर कार्य करें। स्टेट हाईवे के लिए सड़कों को चिन्हित करके प्रस्ताव बनाएं। सड़कों के मेंटेनेंस का कार्य समय पर पूर्ण करें। सड़कों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को रेंडमली चेक करवाए। जिले में जितने भी निर्माण कार्य चल रहे हैं उनकी प्रगति की रिपोर्ट समय-समय भेजें।

# सिलाई मशीन का नि: शुल्क प्रशिक्षण 10 से प्रारंभ

**मंदसौर, 07 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।** ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर द्वारा महिलाओ के लिए कपड़ा सिलाई का प्रशिक्षण बैच 10 फरवरी 2025 सोमवार से शुरू होगा। प्रशिक्षण इच्छुक प्रत्याशी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। रजिस्ट्रेशन के लिए अपने साथ दो फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी कार्ड, अंतिम मार्कशीट और बैंक खाते की डिटेल फोटो प्रति लेकर आवे एवं इसका लाभ उठावें। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सर्किट हाउस से पहले, नई आबादी थाने के पास मंदसौर मोबाइल नंबर 7999852839, 8435806297 पर सम्पर्क कर सकते है।

# एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश...

# पुंछ में सेना ने मार गिराए सात पाकिस्तानी घुसपैठिए, कार्रवाई जारी

**श्रीनगर, 7 फरवरी।** जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में कृष्णा घाटी के पास फायरिंग होने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश की गई है। जिसके बाद भारतीय सेना ने 7 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया है। घुसपैठियों का मकसद भारतीय पोस्ट को निशाना बनाया था। भारतीय सेना के जवानों ने पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी) पर हमला किया। इनमें 3 पाकिस्तानी आर्मी के जवान भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्टर्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि घटना 4 फरवरी की रात पुंछ जिले में कृष्णा घाटी के पास हुई, जब एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश की गई।


**नाम परिवर्तन संबंधी जाहिर सूचना**

मैं दीपिका नरवाड़िया पति कपिल नरवाड़िया (DEEPIKA NARWADIA W/O KAPIL NARWADIA) निवासी धाकड़ मोहल्ला, ग्राम लोटखेड़ी तह. भानपुरा, जिला-मंदसौर सर्वसाधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम सूचित करती हूं कि मेरा आधार कार्ड में दीपिका नरवाड़िया पति कपिल नरवाड़िया (DEEPIKA NARWADIYA W/O KAPIL NARWADIA) है जो सही है। किन्तु मेरे आधार कार्ड में अंग्रेजी सरनेम के कालम में अंग्रेजी में त्रुटिवश वाय (Y) (NARWADIYA) उल्लेखित है, प्रकाशन उपरांत भविष्य में आधार कार्ड में दीपिका नरवाड़िया पति कपिल नरवाड़िया (DEEPIKA NARWADIA W/O KAPIL NARWADIA) लिखा व पढ़ा जावे।

पुराना नाम व हस्ताक्षर
दीपिका नरवाड़िया पति कपिल नरवाड़िया
(DEEPIKA NARWADIYA)

नया नाम व हस्ताक्षर
दीपिका नरवाड़िया पति कपिल नरवाड़िया
(DEEPIKA NARWADIA W/O KAPIL NARWADIA)
निवासी- धाकड़ मोहल्ला, ग्राम लोटखेड़ी
तह भानपुरा जिला मंदसौर



**Nikhil Ch. Pramanik**

B.Com, L.L.B. (Hons.) ADVOCATE
Mail ID: nikhil. pramanik@gmail.com
Office: 20/1, 1 Floor, Sikh Mohalla, 102, Jr. MIG (Chhoti Bhamori), Opp. Anop Talkies, INDORE (MP)
Mob.: 93292 77315, 9329221355

**✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻**

**भूमि सर्वे नं. 332/1/2/5/1/2/2/1/1/1/1/1 में स्थित आवासीय मकान पिपलियापंथ नगर परिषद पिपलियामंडी प.ह.नं.32, तहसील मल्हारगढ़ जिला मन्दसौर (म.प्र) के संबंध में**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार चोलामण्डलम इनवेस्टमेण्ट एण्ड फायनेन्स कम्पनी लि., इन्दौर में श्री देवीसिंह राजपूत पिता श्री शिवसिंह राजपूत नि. वार्ड नं.02, पिपलियामंडी तहसील मल्हारगढ़ जिला मन्दसौर ने उक्त सम्पत्ति की प्रतिभूति पर मेसर्स देवी सिंह ट्रांसपोर्ट के नाम से ऋण सुविधा प्रदत्त करने का अनुरोध किया है।

उक्त सम्पत्ति श्री देवीसिंह राजपूत ने पंजीकृत उपहार विलेख ई-पंजीकृत लेख क्रमांक एम.पी.249402024ए 11285750/ दिनांक 28-10-2024 के द्वारा अपनी माता श्रीमति पारसकुंवर उर्फ पारसबाई पति स्व. श्री शिवसिंह राजपूत से दान मे प्राप्त किया था। उक्त सम्पत्ति के इसके पूर्व के असल पंजीकृत विक्रय पत्र क्रं. 1अ/1159/दिनांक 16-09-1999 द्वारा श्रीमति मांगीबाई कछवाह ने श्री शिवसिंह पिता अर्जुनसिंहजी परिहार के पक्ष में निष्पादित की थी, जो कि कहीं गुम हो चुकी है एवं बहुत ढूंढने पर भी उपलब्ध नहीं है।

अतएव उक्त सपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, कंपनी आदि को किसी प्रकार की आपत्ति, हक, स्वत्व, विक्रय, दान, बंधक, अनुबंध, भार-बोझ आदि हो तो इस सूचना की प्राप्ति से 3 तीन दिन के अन्दर लिखित में मुझे सूचित करें अन्यथा अवधि पश्चात् किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं उक्त संपत्ति की प्रतिभूति पर ऋण सुविधा, प्रदत्त कर दिया जावेगा एवं किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।

निखिल चन्द्र प्रामाणिक, एडवोकेट
20/1सिक्ख मोहल्ला, इन्दौर



**कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)**

ई मेल-apdpiuindore@gmail.com फेक्स- 0731-4989768

क्रं. एफ-3/सामान्य/निविदा प्रकाशन/मु.अ. (भवन) इंदौर/2025/एनआईटी-25/377 इंदौर, दिनांक 05.02.2025

**विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 25/2024**

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्य हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग,म.प्र.द्वारा दिनांक 01.01.2024 से प्रभावशील एसओआर एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि तक संशोधित, निर्धारित तिथि (Key-Dates) अनुसार के आधार पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल http.//mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

| क्र. | पोर्टल टेंडर क्रं. | कार्य का नाम | जिला | ठेके की अनुमानत राशि (पीएसी) (रु. लाख में) | अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | कार्य पूर्ण करने का समय(माह में वर्षा काल सहित) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | 2025-PWPIU - 400125-1 | लोक निर्माण विभाग (भवन) उज्जैन के अंतर्गत छुटे हुए मरम्मत मायनर एवं परफारमेंस ग्यारंटी के तहत विभिन्न भवनों का निर्माण/उन्नयन कार्य। | उज्जैन | 100.00 | 1,00,000 | 12,500 | 12 |
| 2 | 2025-PWPIU - 399735-1 | ग्राम डोबलाझीरी जिला अलीराजपुर में 100 सीटर केजीबीव्ही टाईप III छात्रावास भवन का निर्माण कार्य। | उज्जैन | 143.95 | 1,43,950 | 12,500 | 12 |
| 3 | 2025-PWPIU - 399897-1 | लोक निर्माण विभाग (भवन) नीमच के अंतर्गत छुटे हुए मरम्मत मायनर एवं परफारमेंस ग्यारंटी के तहत विभिन्न भवनों का निर्माण/उन्नयन कार्य | मंदसौर | 100.00 | 1,00,000 | 12,500 | 12 |
| 4 | 2025-PWPIU - 399742-1 | लोक निर्माण विभाग (भवन) मंदसौर के अंतर्गत छुटे हुए मरम्मत मायनर एवं परफारमेंस ग्यारंटी के तहत विभिन्न भवनों का निर्माण/उन्नयन कार्य | मंदसौर | 100.00 | 1,00,000 | 12,500 | 12 |
| 5 | 2025-PWPIU - 399904-1 | 100 बिस्तरीय सिविल हास्पिटल भवन गरोठ जिला मंदसौर का निर्माण कार्य। | मंदसौर | 1925.84 | 9,62,920 | 30,000 | 24 |
| 6 | 2025-PWPIU - 399922-1 | शासकीय नर्सिंग कालेज एवं 140 सीटेड छात्रावास भवन जिला मंदसौर का निर्माण कार्य। | मंदसौर | 1117.00 | 5,58,500 | 30,000 | 18 |
| 7 | 2025-PWPIU - 399913-1 | 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन मल्हारगढ़ जिला मंदसौर का निर्माण कार्य। | मंदसौर | 907.31 | 9,07,310 | 20,000 | 18 |
| 8 | 2025-PWPIU - 400151-1 | मराठी प्राथमिक विद्यालय बरोली जिला बुरहानपुर में भवन का निर्माण कार्य | बुरहानपुर | 34.89 | 50,000 | 5,000 | 9 |
| 9 | 2025-PWPIU - 400103-1 | मराठी प्राथमिक विद्यालय अलगांव जिला बुरहानपुर में भवन का निर्माण कार्य | बुरहानपुर | 41.13 | 50,000 | 5,000 | 9 |
| 10 | 2025-PWPIU - 400172-1 | मराठी प्राथमिक विद्यालय दापोरा जिला बुरहानपुर में भवन का निर्माण कार्य | बुरहानपुर | 34.89 | 50,000 | 5,000 | 9 |

निविदा संबंधी तिथियां (Key-Dates) –
1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि – 03.02.2025
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि – 04.02.2025
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि – 19.02.2025
4. बिड खोलने की तिथि – 21.02.2025

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र, इंदौर (म.प्र.)

G-22731/24


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in